

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने राज्यसभा के लिए नामित चारों हस्तियों को दी बधाई, कहा- इनके योगदान से समृद्ध होगा संसद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पूर्व विदेश सचिव हर्ष वर्धन श्रृंगला, 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मामले के विशेष लोक अभियोजक उज्जवल निकम, केरल भाजपा नेता सी सदानंदन मस्ते और इतिहासकार मीनाक्षी जैन की राज्यसभा में नामांकन पर उन्हें सराहा। पीएम मोदी ने कहा कि इन चारों का क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर योगदान अद्वितीय है, और उनकी विशेषज्ञता संसद की कार्यवाही को समृद्ध करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की तरफ से राज्यसभा के लिए मनोनीत किए



गए चारों लोगों को शुभकामनाएं दी। इसमें पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मामले में विशेष लोक अभियोजक उज्जवल निकम, केरल भाजपा नेता सी सदानंदन मस्ते और इतिहासकार मीनाक्षी जैन का शामिल है। बता दें कि शनिवार रात को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार राष्ट्रपति मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 80(1)(क) के खंड (3) द्वारा उन्हें दी गई शक्तियों के अंतर्गत राज्यसभा के लिए चार लोगों को मनोनीत किया है। इनमें सरकारी वकील उज्जवल देवराव निकम, केरल के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सी. सदानंदन मस्ते, भारत के पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और प्रख्यात इतिहासकार एवं शिक्षाविद् मीनाक्षी जैन का नाम शामिल है। ये नामांकन पूर्व में

नामित सदस्यों की सेवानिवृत्ति के कारण खाली पड़ी सीटों को मद्देनजर किए गए हैं। दूसरी ओर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी रविवार को राज्यसभा के लिए नामित किए गए चार प्रतिष्ठित व्यक्तियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इनकी ज्ञान, अनुभव और विशेषज्ञता से संसद में राष्ट्रीय विमर्श और समृद्ध होगा। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सम्माननीय राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में नामांकित किए गए प्रतिष्ठित इतिहासकार डॉ. मीनाक्षी जैन जी, पूर्व राजनयिक हर्षवर्धन श्रृंगला जी, समाजसेवी सी. सदानंदन मस्ते जी और वरिष्ठ अधिवक्ता उज्जवल निकम जी को हार्दिक बधाई। उन्होंने आगे कहा कि ये सभी महानुभाव अपने क्षेत्रों के दिग्गज हैं और उनके अनुभव से संसद में राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों पर और

बेहतर चर्चा हो सकेगी। उज्जवल निकम को लेकर क्या बोले पीएम मोदी प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि उज्जवल निकम का विधायी क्षेत्र और संविधान के प्रति समर्पण प्रशंसनीय है। वह न केवल एक सफल वकील रहे हैं, बल्कि महत्वपूर्ण मामलों में न्याय की प्राप्ति के लिए भी अग्रणी रहे हैं। उनका नामांकन राज्यसभा में उनके उत्कृष्ट कार्य का सम्मान है। हर्षवर्धन श्रृंगला को बताया श्रेष्ठ कूचनीतिज्ञ- वहीं पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला को राज्यसभा में नामित होने पर पीएम मोदी ने शुभाकामनाएं देते हुए श्रेष्ठ कूचनीतिज्ञ बताया। पीएम मोदी ने श्रृंगला की सराहना करते हुए कहा कि वह एक श्रेष्ठ कूचनीतिज्ञ और रणनीतिक विचारक हैं। भारत की विदेश नीति में उनके योगदान ने भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उनका नामांकन राज्यसभा में भारत की विदेश नीति के दृष्टिकोण को और अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग (ईसी) पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि यह संस्था अब मोदी सरकार की कठपुतली बन चुकी है। उन्होंने बिहार में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को असंवैधानिक बताया और दावा किया कि यह प्रक्रिया बहुसंख्यकवादी सरकारों को सत्ता में बनाए रखने का प्रयास है। पूर्व कानून मंत्री सिब्बल ने पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि चुनाव आयोग को नागरिकता तय करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी ब्लॉक स्तर के अधिकारी के माध्यम से यह तय करना कि कौन नागरिक है और कौन नहीं, संविधान का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया गरीब, दलित और आदिवासी वोटरों के नाम हटाकर बहुसंख्यक सरकार के पक्ष में चुनाव परिणाम तय करने का तरीका है। हर नया चुनाव

वो तो सरकार की कठपुतली बन गया है, कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर उठाए सवाल

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग को मोदी सरकार की कठपुतली बताया और बिहार में चल रही विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया को असंवैधानिक करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया गरीबों और अल्पसंख्यकों के वोट काटकर बहुसंख्यक सरकार को फायदा पहुंचाने के लिए हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में आयोग से जवाब मांगा है और अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग (ईसी) पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि यह संस्था अब मोदी सरकार की कठपुतली बन चुकी है। उन्होंने बिहार में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को असंवैधानिक बताया और दावा किया कि यह प्रक्रिया बहुसंख्यकवादी सरकारों को सत्ता में बनाए रखने का प्रयास है। पूर्व कानून मंत्री सिब्बल ने पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि चुनाव आयोग को नागरिकता तय करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी ब्लॉक स्तर के अधिकारी के माध्यम से यह तय करना कि कौन नागरिक है और कौन नहीं, संविधान का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया गरीब, दलित और आदिवासी वोटरों के नाम हटाकर बहुसंख्यक सरकार के पक्ष में चुनाव परिणाम तय करने का तरीका है। हर नया चुनाव

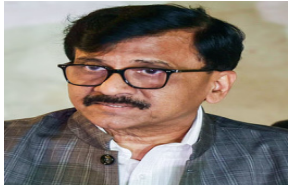


आयुक्त सरकार से मेल खाता है- सिब्बल कपिल सिब्बल ने कहा कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से चुनाव आयोग की निष्पक्षता खत्म होती गई है। उनका कहना है कि हर नया चुनाव आयुक्त अपने पूर्ववर्ती से भी अधिक सरकार के अनुकूल काम करता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब से यह सरकार आई है, आयोग की स्वतंत्रता पर विश्वास करना मुश्किल हो गया है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों का सिब्बल की चुप्पी- जब उनसे सुप्रीम कोर्ट की अंतरिम टिप्पणियों पर सवाल किया गया तो सिब्बल ने कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने कहा कि वे खुद इस मामले में अधिवक्ता हैं, इसलिए कोर्ट के निर्देशों पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि चुनाव आयोग कोर्ट की बातों को गंभीरता से लेगा और विवाद को आगे नहीं बढ़ने देगा। सुप्रीम कोर्ट ने आयोग से मांगा जवाब सुप्रीम कोर्ट ने

आयोग से कहा है कि वह आधार, वोटर आईडी और राशन कार्ड को स्ट्रुक्चर में वैध दस्तावेजों के रूप में भी स्वीकार करे। हालांकि आयोग के वकीलों ने इसका विरोध किया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वे आयोग को बाध्य नहीं कर रहे, लेकिन आयोग को उचित कारणों के साथ फैसला लेना होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि आयोग को वह सब करना चाहिए जो संवैधानिक रूप से उसके अधिकार में है, लेकिन जो अधिकार नहीं है, उसमें हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। 28 जुलाई को अगली सुनवाई - सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दाखिल 10 याचिकाओं पर 28 जुलाई को अगली सुनवाई तय की है। कोर्ट ने आयोग को एक हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा है। उसके बाद याचिकाकर्ता भी अपना जवाब देंगे। कोर्ट ने स्ट्रुक्चर की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए तीन प्रमुख मुद्दों को चिन्हित किया है - आयोग की शक्तियां, प्रक्रिया का तरीका और समय-सीमा। ये तीनों पहलू आने वाली सुनवाई में अहम होंगे।

उड़व और राज ठाकरे का गठबंधन जरूरी, तभी बचेगा महाराष्ट्र, बोले शिवसेना नेता संजय राउत

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि उड़व और राज ठाकरे का साथ आना मराठी जनता के लिए उम्मीद की किरण है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह मुंबई को लूटकर केंद्र शासित प्रदेश बनाने और महाराष्ट्र की एकता तोड़ने की साजिश रच रही है। राउत ने फडणवीस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि अगर ठाकरे भाइयों की एकता न रही, तो मुंबई अदाणी-लोढ़ा के हाथों चली जाएगी। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा कि उड़व ठाकरे और राज ठाकरे का साथ आना समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर दोनों ठाकरे भाई एक हो जाते हैं, तो महाराष्ट्र को नई दिशा मिलेगी। साथ ही राउत ने भाजपा पर



आरोप लगाया कि भाजपा की नीति है पहले मुंबई को लूटो, फिर उसे केंद्रशासित प्रदेश बनाओ, फिर विदर्भ को अलग राज्य बनाकर महाराष्ट्र की एकता को खत्म कर दो। बता दें कि संजय राउत ने यह बात शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना के साप्ताहिक कॉलम रोक-टोक में लिखी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा को महाराष्ट्र की एकता या मराठी अस्मिता से कोई मतलब नहीं है। देवेंद्र फडणवीस पर भी साधा निशाना राउत ने यह भी याद दिलाया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एक समय नागपुर

में विदर्भ मेरा अपना राज्य है, जैसे बैनर लेकर प्रदर्शन कर चुके हैं। राउत ने कहा कि अगर उड़व और राज ठाकरे की एकता बनी नहीं रही, तो मुंबई अदाणी-लोढ़ा के हाथों चली जाएगी, और एक दिन वह महाराष्ट्र का हिस्सा भी नहीं रह जाएगी। राउत ने लिखा कि ठाकरे भाइयों का साथ आना मराठी जनता के लिए आशा की किरण है, लेकिन यह सिर्फ एक शुरुआत है। उन्होंने कहा, अब तक दोनों दलों के बीच राजनीतिक गठबंधन की औपचारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन यह जरूरी है कि गठबंधन हो। तभी महाराष्ट्र को सही दिशा मिल सकती है। उन्होंने कहा कि जो लोग ये सोचते हैं कि ठाकरे दबाव में आ जाएंगे, वे मुगालते में हैं।

संक्षिप्त समाचार

2025 की सबसे भारी कांवड़, 306 दिन की यात्रा, कंधों पर 351 लीटर गंगाजल लेकर चल रहा कांवड़िया

सहारनपुर के नयागांव निवासी मनोज 306 दिन में हरिद्वार से 351 लीटर गंगाजल लेकर पहुंचे हैं। यह लंबी यात्रा उन्होंने बिना किसी अभ्यास के शुरू की थी और अब गांव पहुंचने में 6-7 दिन शेष हैं। सहारनपुर जनपद के नकुड़ में इस वर्ष कांवड़ यात्रा में अभी तक की सबसे भारी कांवड़ नजर आई। श्रद्धा और धैर्य का एक असाधारण उदाहरण पेश करते हुए नकुड़ के गांव नयागांव निवासी मनोज कुमार 306 दिनों से लगातार कांवड़ यात्रा पर हैं। उन्होंने हरिद्वार से 351 लीटर गंगाजल अपने कंधों पर लेकर सफर शुरू किया था और अब वह सहारनपुर रोड स्थित हरि कॉलेज के पास पहुंच चुके हैं। न कोई मन्नत, न दिखावा, अकेले चल पड़े भोले की राह मनोज का कहना है कि यह यात्रा उन्होंने किसी मन्नत या दिखावे के लिए नहीं की है। उन्होंने न तो कोई अभ्यास किया, न ही कोई पूर्व योजना बनाई थी। केवल भोले बाबा का नाम लिया और निकल पड़े-351 लीटर गंगाजल को दोनों कंधों पर दो बड़ी केनों में बांधकर। एक दिन में तय करते हैं एक किमी की दूरी-हर केन में लगभग 175 लीटर जल है और इसका कुल वजन इतना अधिक है कि मनोज एक दिन में मात्र एक किलोमीटर की दूरी ही तय कर पाते हैं। गंगाजल को अपने कंधों पर अकेले उठाकर हरिद्वार से लेकर अब तक सफर किया है।

डिप्टी सीएम केशव बोले- नकल अध्यादेश खत्म करने वाली सपा को शिक्षा के विषय में बात करने का अधिकार नहीं

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद ने कहा कि समाजवादी पार्टी शिक्षा के प्रति नहीं अपराध, अपराधियों और माफियाओं के प्रति गंभीर रहती है। भाजपा शासन काल में लागू नकल अध्यादेश को सपा की सरकार में समाप्त कर दिया गया था। भाजपा बिहार चुनाव में जीत हासिल करेगी। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा के नकल अध्यादेश को समाप्त करने वाली समाजवादी पार्टी को शिक्षा के विषय में बोलने का अधिकार नहीं है। डिप्टी सीएम रविवार को प्रयागराज पहुंचे थे। वह सर्किट हाउस में पत्रकारों के सवाल का जवाब दे रहे थे। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा शासन काल में राजनाथ सिंह शिक्षा मंत्री थे। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता में काफी सुधार किया। नकल अध्यादेश लागू करके शिक्षा



व्यवस्था में सुधार के लिए ठोस कदम उठाया, लेकिन सपा की सरकार बनते ही इस अध्यादेश को समाप्त करके शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया गया। सपा अपराध और माफियाओं के प्रति गंभीर है। शिक्षा के प्रति यह लोग गंभीर

नहीं है। स्कूलों के मर्जर का मामला हाईकोर्ट में है। ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग के सवाल पर केशव ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद चार राज्यों में विधानसभा चुनाव हो चुके हैं, जिसमें तीन राज्यों में कमल खिल चुका है। बिहार में

भी भाजपा सरकार बनने जा रही है। इसके आगे भी जो विधानसभा चुनाव होंगे उसमें भी भाजपा जीत हासिल करेगी। साथ ही 2027 में यूपी में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है। भाजपा पंचायत चुनाव की तैयारी में जुट गई है।

संपादकीय

Editorial

To the broken house of Seraj

There are convoys of pain, ironies and distorted expressions of time screaming. Piles of sand in the courtyards of settlements and utter darkness in the light of progress. This is Seraj area of ??Mandi, which today stands in a handicapped posture with hands outstretched. The screams are saying only this, 'Help, help.' Seraj does not know who its guest is, it is itself troubled. That is why the Chief Minister of the state Sukhwinder Sukhu, BJP's national president and Union Minister Jagat Prakash Nadda and former Chief Minister Jairam Thakur were seen passing through there together and with similar sympathy on Wednesday. Neither any archway nor any reception room. The chaos of destruction in the valleys that have turned into stone, but still the morning is coming. The sun is making its presence felt there and the Himachal government, Jagat Prakash Nadda's account with the Center and Jairam's own confidence make us realize this. There is no doubt that the entire state, leaving aside its priorities, has given its arms to the sighs of Seraj and all the Himachalis have reached there in every aspect of help. The government opened every door of relief and did everything possible from rescue to new accommodation and that is why the affected people are showing energy to find new solutions, new ways of living and to regain their lost destiny. It is very difficult to come out of the cracks of disaster, but if the entire state extends a helping hand, it will be possible to come out of troubles. Here Seraj is not just an assembly constituency, but is now the state's primary relief camp. This is not even the state government versus the central government, but there should be a certificate of doing rather than saying. The state government has expressed its intention to rehabilitate the victims and has announced to bear the rent of their rented house. Whereas, an amount of Rs. 7 lakh per family has been fixed for rehabilitating their own house. In such a situation, the Center will also have to declare a lump sum amount for immediate rescue, not just letters or proposals. Seraj rehabilitation cannot be a normal process also because this assembly constituency has been the home of the former Chief Minister's political penance and a model of development. We need a new model of rehabilitation there at the moment - new land, new sky. New contact and new light are needed. Here, a new base, balance and maintenance of water, forest and land is needed. It is clear that amidst the disaster, a model of development, an era of progress and the entire fabric of society have been swept away. Somewhere a large part of land is missing, somewhere all the business of the market is missing. The struggle of the mountain between the houses is present in every particle, where three politically powerful men of Himachal are roaming, now these winds need the bravery of the state and central governments so that the future remains safe. We are also thanking the people of Himachal, who are collecting relief material day and night. Long live the social revolution of help, but Himachal needs not just assurances from the Center, but a complete relief package. There are many past accounts too and now if justice is achieved, then this state will again move forward on the journey of development with the help of its fundamental optimism. In this disaster, the state knows no difference or any disagreement between BJP, Congress and the two governments, only the broken house of Seraj needs a call for help. Obviously, rehabilitation has surveyed the forests of Himachal. Now the forests will have to give in to the balance of survival. The new Seraj needs land from the forests and now every mountainous beginning needs the blessings of the forest land. To help Seraj, Divya Himachal Sahayata Kosh has also kept a donation box.

Perspective: Threat of landslides increasing in the Himalayas, public life disrupted

In Uttarakhand, mountains are cracking due to rain, which is disrupting the Char Dham Yatra and towns like Joshimath are in danger. Development work in landslide-prone areas is a matter of concern. New landslide zones are being created every year, causing heavy losses to the state. The rains have just started, but due to the fierce form of the mountains in Uttarakhand, life has come to a standstill in many places. Mountains are rolling down with the rain in Chamoli, Uttarkashi, Tehri, Rudraprayag etc. The route of the Char Dham Yatra is being repeatedly obstructed by falling stones and mountains. The danger of collapse has arisen anew on towns like Joshimath. The government is worried that work is going on on projects like road, electricity, rail in the areas which have been marked by geologists as new landslide-prone areas. Landslide zones on the Char Dham Yatra route are becoming a headache. There are a total of 54 landslide zones on the Rishikesh to Badrinath Yatra route. There have been many incidents of landslides here. Due to better roads and facilities, crowds are coming here, which will keep increasing. Himachal Pradesh is also in a similar situation as Uttarakhand. Recently, horrific incidents of landslides were reported in Mandi. On one hand, there is the Prime Minister's '10-point disaster risk reduction' i.e. minimum risk program in disaster, and on the other hand, there is construction of basic infrastructure in the mountainous regions located in the lap of the Himalayas. The population of Uttarakhand is about 1.25 crore, but the number of people coming here for pilgrimage and tourism is very high. Moreover, it is a province bordering a cunning and enemy country like China. In such a situation, better road and transport system is essential, but when such development creates a crisis for nature itself, then reconsideration will have to be done. Both the government and the society will have to take seriously the fact that the Himalayan mountains are the most affected by climate change and due to this Uttarakhand is facing dire challenges. Himachal is also seen facing such challenges. Sensitive ecosystem, unpredictable weather and increasing incidents of cloudburst, landslides, flash floods and glacier lake outbursts are making Uttarakhand unsafe. Natural disasters like floods, landslides, excessive rainfall and forest fires cause huge loss of life and property to the state every year. Every year a large part of the state budget is wasted in repairing the structures destroyed by disasters. Regarding the damage caused by monsoon in July, August and September, the SDC Foundation has stated in the Uttarakhand Disaster and Accident Analysis Initiative (UDAY) report that new landslide zones are developing in the state every year. According to the data of the Indian Space Research Organization, between 1988 and 2023, there were 12,319 incidents of landslides in Uttarakhand. In 2018, there were 216 incidents of landslides in the state, while in 2023 this number increased five times to 1,100. Compared to 2022, an increase of about four and a half times has been observed in the incidents of landslides in 2023. Till August last year, 2,946 incidents of landslides were recorded during the rainy season, in which many people were killed. 500 new landslide zones have been marked this monsoon season. According to a 2018 study by the Disaster Management Department of the Uttarakhand government and the World Bank, more than 6,300 places in Uttarakhand have been marked as landslide zones. The report says that the development projects worth thousands of crores going on in the state are being built by cutting mountains or destroying forests and this is increasing the number of landslide zones. A major reason for the increase in the impact area of ???landslides is the continuous movement of Indian plates. Due to this movement, the cracks present in the rocks also become active. This geological activity intensifies when the grip of the soil loosens during the rainy season. In mountainous areas like Uttarakhand and Himachal, the grip of the soil is getting weak due to less greenery. On top of that, due to seasonal changes, sudden heavy rainfall and then immediately after that bright sunshine strengthens the process of landslides. The demolition being done for projects without geological survey is not suitable for snow-mountains. The project for which Silkarya tunnel is being built was shown in small pieces to avoid the necessity of environmental impact assessment. Geological upheaval continues in the Himalayas. Here trees play a big role in binding the land. It is important to know that in the Himalayan seismic zone, the Indian plate collides with the Eurasian plate. When there is demolition or explosions on the mountains and when their natural form is tampered with, not only does the possibility of earthquakes up to Delhi increase, but there is also a crisis of less water in Yamuna. Earlier, three-fourths of the landslides in Uttarakhand were caused by rain, but now this disaster is not stopping even after the rains. Many big landslides occurred in winter last year and in summer this year as well. In such a situation, it is inviting and warning to create a feeling of sacrificing happiness for environmental protection, natural development and faith in development. Himachal and other mountainous areas should also listen to this warning carefully.

Challenges of China-Pak alliance for India

During Operation Sindoor, China provided military and technical assistance to Pakistan, which was aimed at increasing the challenges of India. China supported Pakistan in every way, from weapons to surveillance capabilities. Even the Chinese fleet was used to keep an eye on the Indian Navy. During Operation Sindoor, when the Indian military forces were engaged in teaching a lesson to Pakistan, it was getting full support from China. Not only at the military level, but the Chinese media was also making vigorous efforts to advance Pakistani propaganda. One reason for this was also to underline the alleged success of those Chinese weapons which were being used by the Pakistani army. The increasing series of technical support from China to Pakistan, from weapons, is going to increase the challenges of India. Deputy Army Chief Lieutenant General Rahul R. Singh recently explained in detail about this conspiracy of China-Pakistan. He said that apart from the drones used by Pakistan, the imprint of the Chinese military establishment was visible on cyber operations and network based warfare elements. He also said that the Chinese ISR system provided real-time data, situational information and surveillance capabilities to the Pakistani military forces. Even the Chinese fishing fleet was used to keep an eye on the Indian Navy, while the Pakistani Navy remained confined to its coasts. When the talks were going on at the level of Director General of Military Operations (DGMO), Pakistan said that we know where and how much of your military resources are deployed, so we request you to withdraw them. This shows that Pakistan had a lot of information related to Indian military deployment, which was being provided to it by none other than China. Operation Sindoor also became a milestone for the Chinese defense industry to test its capabilities, in which its equipment was to be tested in a real war situation. About 81 percent of the defense equipment purchased by Pakistan in the last five years was taken from China. In this way, China used Pakistan as its laboratory, in which the performance of its weapons could be shown in front of other weapon systems. Learning from this, China will upgrade its defence systems, which will ultimately benefit buyers like Pakistan. During Operation Sindoor, India had to fight on three fronts simultaneously. There was a direct fight with Pakistan, apart from all possible support from China, it also got help from Turkey through drones and trained personnel. In recent years, China has defended Pakistan on almost every international platform and has provided it with modern missiles and nuclear technology. During Operation Sindoor, apart from all the weapon systems, the Chinese Beidou navigation system also helped Pakistan a lot. This also included facilities like missile guidance for PL-15. This shows that the direct involvement of Chinese systems in Pakistani strategic operations is increasing. Some reports also indicate that Indian aircraft were targeted through the use of Swedish Saab 2000 Aerie Airborne Early Warning and Control (AEW&C) platform in conjunction with the Chinese system. It is clear that systems from different sources are also being used by combining them with Chinese technology. Pakistan is also going to get fifth generation J-37 Chinese fighter aircraft. Under the China-Pakistan Economic Corridor (CPEC), China has developed other infrastructure of strategic importance in Pakistan besides ports like Gwadar. This benefits Pakistan's economy as well as its military capabilities. Given its geostrategic geographical position, Pakistan is important for Chinese ambitions of becoming a superpower, as it provides important connectivity to Beijing through CPEC and Maritime Silk Route. The fact that India has been having border disputes with China and Pakistan for a long time cannot be ignored. For this reason, we have to keep a large deployment of military forces to protect our territorial integrity. Some efforts have been made to reduce tensions since the Galwan crisis, but the withdrawal of troops has not been complete. After Operation Sindoor, the ceasefire on the Line of Control was also seen being violated. During Operation Sindoor, China also tested its capabilities without crossing any formal Laxman Rekha. This was a turning point in the Chinese strategy to enhance Pakistan's strategic and conventional capabilities to counter India. There was no end to the collusion between the two countries. The lessons of Operation Sindoor are clear: India must further refine its threat assessment, military modernisation and operational processes. It has fundamentally changed India's strategic calculations and defence planning, as a two-front war is no longer a fantasy but a reality. Therefore, we must strengthen our military capabilities while strengthening our economy. Only then can security be ensured. The China-Pakistan duo and their ties are becoming increasingly dangerous. There is also no doubt that China's geopolitical focus in the region is to continue using Pakistan as its puppet to create obstacles in India's path. Operation Sindoor also demonstrated that new battles can be fought using old methods. Now, along with military confrontation, we will have to fight on fronts like cyber, economic, legal, information and proxy war. In such a scenario, China will continue to try its luck as a major player even while remaining behind the scenes. India has no other option but to find a suitable solution to the challenge posed by these two countries.

पानी भरे खेत में नहाते समय दो भाई डूबे, एक साथ उठीं दोनों की अर्थियां, हर ग्रामीण की आंख नम

शहजादनगर थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव में पानी से भरे खेत में नहाने गए दो सगे भाइयों की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों और गांव में मातम छाया है। दोनों बच्चों का इसी साल एक निजी स्कूल में दाखिला हुआ था। शहजादनगर थाना गड्डे में नहाते समय डूब गए। इस हादसे में दोनों की है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में ही मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण वरुण (7) दोनों सगे भाई पास के ही गड्डे में नहाने दनियापुर गांव स्थित एक निजी स्कूल में दाखिला साथ पानी से भरे गड्डे में नहाने गए थे।इस दौरान दोनों मचाने पर ग्रामीण घटनास्थल की तरफ दौड़कर पहुंचे बाद दोनों बच्चों को पानी से बाहर निकाला गया। परिजन दोनों मासूमों को देखकर रोने लगे। देखते ही अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर शहजादनगर थानाध्यक्ष हरेन्द्र यादव ने बताया दो मासूम सरकारी गाड़ी से उपचार के लिए जिला अस्पताल की विधिक कार्रवाई की जा रही है। शोर होने पहुंचे डूबता देख अन्य बच्चों के शोर मचाने पर आसपास मौजूद ग्रामीणों ने घटनास्थल की तरफ दौड़कर उनको पानी से बाहर निकाला और अस्पताल लेकर गए। लेकिन तब तक दोनों की सांसें थम चुकी थीं। एक साथ उठीं दोनों भाइयों की अर्त्थी पानी से भरे गड्डे में डूबकर रविवार दोपहर दो सगे भाइयों की मौत से पूरे गांव में मातम पसरा है। दोनो की एक साथ अर्त्थी उठी तो सभी की आंखें नम हो गई।



क्षेत्र के फतेहपुर गांव निवासी दो भाई पानी भरे खेत के मौत हो गई। सूचना के बाद परिवार में कोहराम मच गया शहजादनगर थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव निवासी बुद्धसेन करते हैं।रविवार दोपहर उनके दो पुत्र विवेक (8) और गए थे। वहां डूबकर उनकी मौत हो गई। उनका इसी वर्ष कराया गया था। दोनों मासूम अपने अन्य साथियों के गहरे पानी में पहुंच गए जिसके बाद अन्य बच्चों के शोर तब तक दोनों भाई पानी में डूब चुके थे। काफी देर के सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। घटना के बाद देखते वहां ग्रामीणों की भीड़ एकत्र होने लगी। जिला दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बच्चों के डूबने की सूचना मिली थी। उनको थाने की भेजा वहां उनको डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। आगे ग्रामीणों ने दोनों को बाहर निकाला दोनों भाइयों को

कांवड़ियों के लिए वाटरप्रूफ टेंट, कंट्रोल रूम से निगरानी, तेंदुए की दस्तक ने बढ़ाई चिंता

सावन में बारिश से कांवड़ियों को राहत देने के लिए पुलिस ने कांवड़ मार्गों पर नौ स्थानों पर वाटरप्रूफ टेंट लगवाए हैं। इनमें बैठने, पानी और भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। सुरक्षा के लिए कांट रोड, दिल्ली रोड और रामपुर रोड पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिन्हें कंट्रोल रूम से जोड़ा गया है। बारिश से बचाने के लिए पुलिस ने कांवड़ियों के लिए वाटरप्रूफ टेंट लगवाए हैं। कांवड़ मार्गों पर नौ स्थानों पर टेंट लगा भी दिए गए हैं। इसके सीसीटीवी कैमरों को कंट्रोल रूम से भी जोड़ा गया ढंग से संपन्न कराने में जुट गई। पहले कांवड़ जत्थों के जानीं। अब उनके निदान पर काम कर रही है। सावन कोई दिक्कत न हो इसके लिए नौ स्थानों पर वाटरपुफ यहां कांवड़ियों की सुविधा का ख्याल रखा जाएगा। ने बताया कि जिले में कांट रोड, दिल्ली रोड और रूटों पर सावन के आखिरी सोमवार पर सबसे अधिक वाले सोमवार पर भी जलाभिषेक के लिए कांवड़ियों की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कांवड़ मार्ग पर भी कंट्रोल रूम बनाया गया है। इसके रूम से भी जोड़ गया है। जहां से तैनात पुलिसकर्मी सिविल लाइंस क्षेत्र में शेरुआ चौराहा, किला तिराहा, प्वाइंट, पाकबड़ा में सीएनजी पंप, रोडवेज पुलिस जीरो प्वाइंट पर वाटरप्रूफ टेंट लगाए गए हैं। यह टेंट में बैठने, पानी और भोजन भी व्यवस्था कराई जा रही ज्यादा भंडारे लगेंगे- शिवभक्तों के लिए जिले में विभिन्न संगठनों की ओर से एक हजार से ज्यादा भंडारे लगाए जाएंगे। इसके लिए संगठनों ने तैयारियां पूरी कर ली है। इस दौरान शिवभक्तों के लिए मेडिकल कैंप भी लगाए जाएंगे। शहर में कुछ स्थानों पर भंडारे लगने शुरू हो गए हैं। 11 जुलाई से कांवड़ यात्रा शुरू हो गई है। शनिवार को सावन का दूसरा दिन रहा है। सड़कों पर शिवभक्तों की संख्या बढ़ने लगी है। मध्यप्रदेश, इटावा समेत अन्य जगहों से शिव भक्त जल लेकर जाने लगे हैं। शिवभक्तों के लिए जिले के रामपुर दौराहा, स्टेशन रोड, कांट रोड, दिल्ली रोड समेत विभिन्न जगहों पर एक हजार से अधिक भंडारे लगाए जाएंगे। श्री महादेव सेवा समिति के महासचिव शरद जैन ने बताया कि भंडारे को लेकर अधिकांश सामान खरीदे जा चुके हैं। कुछ आर्डर भी लिए गए हैं। भंडारा लगाने के लिए परमिशन के लिए पत्र संबंधित विभाग को भेज दिया गया है। संगठन के सदस्यों को अलग-अलग काम बांटने की बात चल रही है। श्री कल्याणी दरबार मंदिर के अध्यक्ष पंकज माथुर ने बताया कि शिवभक्तों की सेवा के लिए भंडारा लगाया जाएगा। इसको लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दो और तीन अगस्त को भंडारा लगाया जाएगा। बर्फ की 300 सिल्ली से बनाया जाएगा शिवलिंग श्री महादेव समिति की ओर से रेड कार्पेट के पास 300 बर्फ की सिल्ली से शिवलिंग बनाई जाएगी। श्री महादेव सेवा समिति के महासचिव शरद जैन ने बताया कि 22 साल से शिवभक्तों के लिए भंडारा लगाया जा रहा है। इसके साथ शिवभक्तों के लिए शिवलिंग बनाई जाती है। लगाया जाएगा मेडिकल कैंप- शिवभक्तों के लिए भंडारे के साथ जगह-जगह मेडिकल कैंप लगाया जाएगा। इसको लेकर संगठनों की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई है। श्री कल्याणी दरबार मंदिर के अध्यक्ष पंकज माथुर ने बताया भंडारे साथ ही मेडिकल कैंप स्थापित किए जाएंगे। जहां आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। वन विभाग की टीम को किया अलर्ट छजलैट और कांट क्षेत्र में तेंदुए की दस्तक ने पुलिस प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। इसी क्षेत्र में कांवड़ रूट सबसे से लंबा है जिसके दोनों तरफ गन्ने के खेत हैं। पुलिस अधिकारियों ने छजलैट और कांट पुलिस के अलावा वन विभाग की टीम को भी अलर्ट किया है। कांवड़ रूट पर पुलिस टीमें वाहनों से लगातार गश्त रही हैं। रात में चलने वाले कांवड़ियों से आग्रह किया जा रहा है कि रात होने पर इस क्षेत्र में यात्रा न करें और कैंप व शिविर में रुक जाए और सुबह पर ही इस क्षेत्र से गुजरे। अगवानपुर फ्लाईओवर की स्ट्रीट लाइटें नहीं की गई ठीक दो दिन पहले पंचायत भवन में हुई बैठक में अगवानपुर के लोगों ने अफसरों के सामने मुद्दा उठाया था कि अगवानपुर फ्लाईओवर की स्ट्रीट लाइटें खराब हैं। इसके अलावा अगवानपुर में कांवड़ पथ की सड़कें टूटी हैं। दो दिन बीतने के बाद न तो सड़क ठीक की गई और न ही अगवानपुर फ्लाईओवर की स्ट्रीट लाइट ठीक की गई हैं।



अलावा कांवड़ मार्ग से लगाए गए हैं। पुलिस कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण साथ बैठक कर उनकी समस्याएं में बारिश के दौरान कांवड़ियों को टेंट की व्यवस्था की जा रही है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह रामपुर रोड तीन कांवड़ रूट हैं। इन भीड़ रहती है। इससे पहले पड़ने की आवाजाही होती है। इन रूटों ताकि पल-पल नजर रखी जा सके। अलावा इन कैमरों को सिटी कंट्रोल निगरानी कर रहे हैं। इसके अलावा फव्वारा चौक, मझोला क्षेत्र में जीरो चौकी, कोहिनूर तिराहा, दलपतपुर हरिद्वार की कंपनी ने लगाए हैं। टेंट है। कांवड़ियों के लिए एक हजार से

कांवड़ यात्रा: मुरादाबाद- दिल्ली- लखनऊ हाईवे पर भारी वाहनों को प्रवेश नहीं, रामपुर में 14 को स्कूल रहेंगे बंद

सावन के पहले सोमवार 14 जुलाई को कांवड़ियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर भारी वाहनों का संचालन रोक दिया गया है। अमरोहा, मुरादाबाद और रामपुर में दिल्ली से लखनऊ वाली लेन को कांवड़ियों के लिए आरक्षित तक लागू रहेगा।कांवड़ियों की भीड़ बढ़ने पर शनिवार पर रोक लगा दी गई है। अमरोहा-मुरादाबाद और रामपुर आने-जाने के लिए निर्धारित कर दी गई है जबकि गुजारे जा रहे हैं।हाईवे पर रूट डायवर्जन की यह व्यवस्था अमरोहा के एसपी अमित कुमार आनंद, एसपी अखिलेश पर शनिवार को व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। 11 जुलाई को है। इसके लिए शिवभक्त हरिद्वार, गोमुख, भगवान भोले का जलाभिषेक करेंगे। बरेली, संभल, से भी गंगा जल भरने आते हैं। सावन के प्रत्येक सोमवार शुक्रवार, शनिवार और रविवार को हाईवे पर कांवड़ियों को बढ़ता देखकर अमरोहा पुलिस ने ट्रक कंटेनर, डीसीएम अमरोहा में रूट डायवर्जन होते ही मुरादाबाद और रामपुर में पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया। हाईवे पर दिल्ली से लखनऊ जाने वाली लेन केवल कांवड़ियों और उनके वाहनों के लिए तय कर दी गई है जबकि लखनऊ से दिल्ली की ओर जाने वाली लेन में कार, ऑटो, पिकअप समेत छोटे वाहन चलाए जा रहे हैं। एसपी यातायात सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि 11 जुलाई से रूट डायवर्जन किया जाना था लेकिन सावन के पहले दिन कांवड़ियों की भीड़ कम थी। शनिवार को कांवड़ियों की भीड़ बढ़ने और अमरोहा में रूट डायवर्जन लागू होने के बाद यहां भी रूट डायवर्जन लागू कर दिया गया है। अब दिल्ली की ओर जाने वाले वाहनों को बदले मार्ग से गुजारा जा रहा है। शनिवार रात से डायवर्जन लागू कर दिया गया है। यह प्लान सोमवार की दोपहर दो बजे तक जारी रहेगा। अब दिल्ली से मुरादाबाद लेन को पूरी तरह कांवड़ियों के लिए तय कर दिया है। इस लेन पर किसी भी तरह के वाहन के आने की अनुमति नहीं है। मुरादाबाद से दिल्ली लेन पर दोनों तरफ की कार, पिकअप या अन्य छोटे वाहन चलते रहेंगे। - अखिलेश भदौरिया, एसपी, अमरोहा इस मार्ग से गुजारे गए भारी वाहन- रूट डायवर्जन लागू होने के बाद शनिवार रात मुरादाबाद से दिल्ली की ओर जाने वाली रोडवेज और निजी बसों समेत भारी वाहन मुरादाबाद से बिलारी, संभल, बबराला, नरौरा, डिबाई, बुलंदशहर, सिकंदराबाद होते हुए मेरठ और दिल्ली भेजे गए।



किया गया है। यह रूट डायवर्जन सोमवार दोपहर 2 बजे रात से दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर भारी वाहनों के चलने में हाईवे पर दिल्ली से लखनऊ वाली लेन कांवड़ियों के लखनऊ से दिल्ली की लेन में कार समेत छोटे वाहन सोमवार की दोपहर करीब दो बजे तक रहेगी। उधर, भदौरिया और सीओ अंजलि कटारिया ब्रजघाट चौकी जुलाई से शुरू हुए सावन माह में पहला सोमवार 14 गंगोत्री से गंगा जल लाकर अपने पास के मंदिरों में चंदौरी, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर के कांवड़िये ब्रजघाट को शिव का जलाभिषेक किया जाता है। इसके चलते की भीड़ रहती है। शनिवार रात कांवड़ियों की संख्या व निजी बसों को रूट प्लान के तहत डायवर्ट कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

कांवड़ यात्रा: सावन तक रोडवेज बसों में अतिरिक्त किराया देने को रहें तैयार...दिल्ली समेत चार रूटों पर भार

सावन में कांवड़ यात्रा की वजह से दिल्ली समेत कई रूटों पर डायवर्जन किया गया है। इसकी वजह से यात्रा की दूरी बढ़ने के साथ यात्रियों को बढ़े किराए के साथ सफर करना पड़ेगा। इसके लिए परिवहन निगम ने बरेली से दिल्ली, बरेली से बदायूं, बरेली से आगरा और बरेली से देहरादून जाने वाली साधारण और एसी बसों के टिकटों की नई दरें निर्धारित कर दी हैं, जो रविवार और सोमवार को ही लागू होंगी।अधिकारियों के मुताबिक कांवड़ यात्रा शुरू हो चुकी है। इस दौरान जाम की स्थिति न बने इसके लिए बरेली समेत दूसरे जिलों में भी प्रशासन ने रूट डायवर्जन किया है। इसी के तहत रोडवेज की बसों की दूरी बढ़ने पर किलोमीटर के हिसाब से टिकटों की नई दरें लागू कर दी हैं। बरेली से दिल्ली जाने के लिए साधारण रोडवेज बस में 433 रुपये किराया है जो रूट डायवर्जन पर 451 रुपये होगा। इसी तरह से बरेली से दिल्ली एसी बस के लिए 504 की जगह 572 रुपये का टिकट लगेगा। बरेली से बदायूं साधारण बस में 75 की जगह 92 रुपये रुपये देने होंगे। वहीं एसी बस में 96 की जगह 118 रुपये का टिकट लगेगा। बरेली से आगरा साधारण बस में 318 रुपये की जगह 335 रुपये देने होंगे। बरेली से आगरा एसी बस के लिए 407 की जगह 429 रुपये चुकाने होंगे। बरेली से देहरादून साधारण बस में 527 की जगह 604 और एसी के 773 की जगह 982 रुपये का टिकट लगेगा।

हरियाणा से पहुंचे चार युवकों ने एक परिवार पर किया हमला, फिर ग्रामीणों ने आरोपियों को बांधकर पीटा

रामपुर के जयतोली गांव में हरियाणा से आए चार युवकों ने दो परिवारों पर हमला कर दिया। अचानक मची चीखपुकार के बाद मौके पर ग्रामीण एकत्र हो गए। उन्होंने चारों युवकों को पकड़कर जमकर पीटा। मामला एक महिला को लेकर सामने आया है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।रामपुर के जयतोली गांव में रविवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब हरियाणा से आए चार युवकों ने गांव के दो परिवारों का दरवाजा खुलते ही मारना पीटना शुरू कर दिया। अचानक मारपीट के बाद दोनों परिवारों में चीखपुकार मच गई। इसके बाद ग्रामीणों ने चारों आरोपियों की घेराबंदी करके उन्हें पकड़कर बांध दिया। इसके बाद उनकी जमकर पिटाई की गई।

जमीन पर बंधे पड़े चारों आरोपियों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हरियाणा की इशिका नाम की महिला ने बताया कि वह जयतोली गांव के रहने वाले रतिपाल के साथ साल भर पहले आ गई थी। उसका पहले पति से रतिपाल का विवाद चल रहा है।इशिका के अनुसार रविवार तड़के हरियाणा के यमुनानगर के थाना सिटी क्षेत्र के जगादरी स्थित गंगानगर कॉलोनी के रहने वाले इशिका का पहला पति राहुल, उसका रोहित, राजू और शिवम् जयतोली गांव पहुंचे। आरोप है कि इन सभी ने भूलवश रतिपाल के घर की जगह इनके पड़ोसी रामगोपाल का दरवाजा खटखटाया।दरवाजा खुलते ही चारों युवक हमलावर हो गए और मारपीट शुरू कर दी। इसमें रामगोपाल के बेटा अर्जुन, उनकी पत्नी प्रीति और बेटी सोनम घायल हो गई। शोर-शराबा सुनकर रतिपाल और इशिका भी मौके पर आ गए। आरोप है कि चारों ने रतिपाल और इशिका को देखकर लोहे की रॉड और पाइप से मारना पीटना शुरू कर दिया। घटना के दौरान चीखपुकार मच गई। इसके बाद गांव के लोग इकट्ठे हो गए। मौके पर मारपीट को देखकर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। ग्रामीणों ने चारों युवकों की घेराबंदी करके उनके हाथ बांध दिए। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने चारों युवकों को ग्रामीणों से छुड़ाया। पकड़े गए हरियाणा निवासी राहुल ने बताया कि वर्ष 2018 में उसकी शादी इशिका से हुई थी। उसको रतिपाल नाम का युवक अपने गांव ले आया था। महिला इशिका के साथ इनका बेटा हर्ष (3) साथ ले आई थी। राहुल ने बताया कि वह अपने बेटे हर्ष को लेने के लिए अपने तीन दोस्तों के संग जयतोली गांव पृछते-पृछते गया था। इसके बाद विवाद शुरू हो गया। मारपीट में घायलों को सीएचसी इलाज के लिए भेजा गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। कोतवाली प्रभारी पंकज पंत ने बताया कि महिला को लेकर विवाद हुआ है। घायलों का उपचार कराया गया है। पूरे मामले की जांच कर तहरीर लेकर कार्रवाई की जाएगी।

सावन माह की शुरुआत में ही बिजली व्यवस्था ने तोड़ा दम अधिकारी नहीं उठाते हैं फोन

सीबीगंज बरेली। सावन माह की शुरुआत में ही बिजली व्यवस्था ने दम तोड़ दिया। रविवार तड़के

शिवभक्तों के बीच प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की यह सेवा चर्चा का विषय बनी हुई है। भंडारे में सांसद बरेली छत्रपाल सिंह बिथरी चैनपुर विधायक डॉक्टर राववेंद्र शर्मा, डीसी वम विधायक,एमएलसी बहोर लाल, एमपी आर्या विधायक ब्लॉक प्रमुख पति वेद प्रकाश यादव जिलाधिकारी अवनीश सिंह,एसएसपी अनुराग आर एसडीएम समेत कई गणम लोग शामिल रहे भंडारे आ कांवड़ियों और अतिथि के स्वागत मंच का संचालन लेखपाल श्रीदत्त शर्मा ने किया

स्थित आर आर
सामने लगे
आग लग गई
सीबीजीज कस्बे
आपूर्ति ढाई घंटे
ट्रंसफार्मर में आग
सूचना देने के लिए
लोहिया बिहार
पर कई बार फोन
एसएसओ का
उठा। जिसके बाद
जेई रविंद्र कुमार
भी किसी ने फोन
उपकेंद्र पहुंचे तो
शिवम में गेट प
गैस जलकर राख
द्वयांग लाइन पुली
सूचना मिलते ही
की आपूर्ति चालू
रह फेल हो चुकी
ती है। सावन जैसे
बढ़ा रही है।

और एसडीओ अधिषेक कपासिया को भी लगातार फोन लगाए लेकिन इनमें से भी किसी ने फोन उठाना तक मुनासिब नहीं समझा। थक-हारकर लोग लोहिया बिहार स्थित विद्युत उपकेंद्र पहुंचे तो वहां का नजारा और चौंकाने वाला नजर आया। रात्रि ड्यूटी पर तैनात एसएसओ शिवम में गेट पर ताला मारकर सोते हुए मिले। इस लापरवाही के चलते ट्रांसफार्मर का पूरा एलटी बॉक्स जलकर राख हो गया। बताया गया कि विद्युत उपकेंद्र पर रात में केवल एसएसओ और एक दिव्यांग लाइन पुली मानसिंह ही तैनात रहते हैं, जिनका एक हाथ कंधे से कटा हुआ है। आग लगने की सूचना मिलते ही मानसिंह ने फुर्ती दिखाई और जलते ट्रांसफार्मर की लाइन काटकर सीबीगंज कस्बे की आपूर्ति चालू कराई। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि विद्युत विभाग की वर्टिकल व्यवस्था पूरी तरह फेल हो चुकी है। न समय पर कोई जिम्मेदार मौजूद रहता है, न ही इमरजेंसी में कोई कार्रवाई होती है। सावन जैसे संवेदनशील महीने में भी बिजली विभाग की यह लापरवाही लोगों की परेशानी बढ़ा रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच- अरविंद कुमार

पीलीभीत - एक अफसर अगर अपने पद को सिर्फ कुर्सी नहीं, बल्कि कर्तव्य और जशसेवा का मंच मान ले, तो वह जनता के दिलों में बस जाता है। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह आज एक ऐसे ही प्रशासक हैं। जिनकी सोच और कार्यशैली है। आपको बता दें कि उनके छोटा-सा वाक्य इन दिनों है, जहाँ लिखा है कि मैं उस कहते हैं। यह सिर्फ शब्द नहीं, है कि वे आम जनता को भगवान

अब उनकी पहचान बन चुकी है। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह का यह मानना है कि प्रशासन का असली उद्देश्य केवल नियमों को लागू करना नहीं, बल्कि जनता की सेवा करना है। उनका यह दृष्टिकोण उन्हें एक संवेदनशील और जन-हितैषी प्रशासक के रूप में स्थापित करता है। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह का कहना है कि यह प्रेरणादायक पंक्ति स्वामी विवेकानंद से प्रेरित है। वह मानते हैं कि जो भी व्यक्ति अपनी समस्या लेकर प्रशासन के पास आता है, वह प्रभु के रूप में होता है, और उसकी सेवा करना ही सच्चा धर्म है। इस दौरान यह भी बताया कि पीलीभीत जैसे बड़े और ग्रामीण क्षेत्र में लोग 100 किलोमीटर दूर से भी अपनी समस्याएं लेकर आते हैं, ऐसे में यह उनका कर्तव्य बनता है कि हर समस्या का समाधान उसी दिन किया जाए। फरियादी को जिला मुख्यालय तक ना आना पड़े। इसके लिए उन्होंने एक नई पहल शुरू की है, जिसके तहत ग्राम सचिवालय में हफ्ते में एक दिन अधिकारी बैठेंगे। अगर समस्या का समाधान वहाँ नहीं होता, तो तहसील स्तर पर और फिर जिला मुख्यालय पर कार्यवाही होगी। पीलीभीत जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह का यह कार्यशैली और सोच बताती है कि प्रभु अपनी जिम्मेदारी को सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि एक पवित्र मिशन के रूप में देखते हैं। उनका यह मानवीय दृष्टिकोण उन्हें अन्य अधिकारियों से अलग करता है। उनके चेंबर में लिखा यह संदेश कि मैं उस प्रभु का सेवक हूँ जिसे मनुष्य कहते हैं। हर आने-जाने वाले को यह याद दिलाता है कि प्रशासन का असली मकसद मानवता की सेवा है। आज ज्ञानेंद्र सिंह न सिर्फ एक जिलाधिकारी हैं बल्कि जनता के बीच एक प्रेरणा बन चुके हैं। उनका यह संदेश और कार्यशैली यह साबित करती है कि जब कोई अफसर दिल से काम करता है, तो वह प्रशासन को सेवा का मंदिर बना सकता है।



संक्षिप्त समाचार

क्यों न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली । सावन के हर सोमवार को स्कूलों-कॉलेजों में छुट्टी रहेगी। डीएम में कांविड़ियों स भ ी छात्रों के लिए है। उन्होंने छात्रों की आवागमन सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। जारी आदेश के मुताबिक, सभी बोर्ड से संबद्ध बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों सहित दिल्ली और बदायूं रोड से पांच किलोमीटर के दायरे में संचालित सभी शिक्षण संस्थान (बेसिक व माध्यमिक स्कूल, टेक्निकल कॉलेज, महाविद्यालय, आईटीआई, पॉलिटेक्निक) भी सावन के हर सोमवार को विद्यार्थियों के लिए बंद रहेंगे। शासकीय कार्यों के लिए समस्त स्टाफ उपस्थित रहेगा। इस दौरान पूर्व निर्धारित परीक्षाएं यथावत संचालित होंगी।

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली। एक तरफ गर्मी तो दूसरी तरफ बिजली गुल होने पर

चित्र 1: बिजली के ट्रांसफार्मर पर काम करने वाले श्रमिक।

नाराज होकर गया छात्र घर
वापस लौटा , परिजनों ने
कहा भोलेनाथ की कृपा हुई

क्यूँ न लिखूँ सच

रिजौरा। घर से नाराज होकर गया छात्र सकुशल घर वापस लौट आया। जानकारी के अनुसार इज्जत नगर थाना क्षेत्र के ग्राम अहिलादपुर अनिल पटेल स्कूल में खुद चलाते चिराग पटेल को दोपहर में कहीं चला ने बताया कि के संबंध में डांट दिया था। नाराज होकर चला गया था। छात्र के पिता ने उसके गायब होने की सूचना थाना इज्जत नगर में दी थी। चिराग पटेल रविवार को दोपहर बाद सकुशल घर वापस लौट आया। उसके घर वापस लौटने पर मां की खुशी का ठिकाना न रहा। पिछले तीन दिनों से चिराग की मां का रो-रोकर बुरा हाल था। नाते रिश्तेदार भी परेशान थे। जैसे ही रविवार को चिराग के घर वापस लौटने की सूचना मिली तब उसके घर शुभचिंतकों का तांता लग गया। पुत्र के घर वापस लौटने पर पिता ने कहा भोलोनाथ की कृपा हुई। मेरा बच्चा सकुशल घर वापस लौट आया। चिराग पटेल क्षेत्र के एक निजी स्कूल में कक्षा 6 का छात्र है।

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली। थाना भमोरा क्षेत्र के मजनूपुर गांव में कथित गौ तस्कर आसिफ हुसैन का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह दोपहर करीब दो बजे दो चाकू लेकर एक स्थानीय निवासी के घर में घुसता दिखाई दे रहा है। यह घटना रविवार, 13 जुलाई की बताई जा रही है। स्थानीय निवासी मुन्ने के घर में घुसे आरोपी की यह करतूत गांव में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है बताया जा रहा है कि आसिफ हुसैन पूर्व में कई गौवंश हत्या और चोरी के मामलों में जेल जा चुका है। बावजूद इसके, वह कथित रूप से स्थानीय पुलिस की शह पर सावन माह के दौरान भी मांस विक्रय जैसे गतिविधियों में लिप्त है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लोगों में रोष फैल गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। सूत्रों के मुताबिक, वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस हरकत में आ गई है और आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।



लापता रमेश की परिवार वालों ने छोड़ी उम्मीद , लेकिन 27 वर्ष बाद मिला जिन्दा

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली। साइकोलॉजिस्ट शैलेश शर्मा के अथक प्रयासों से मानसिक बीमारी के कारण 27 वर्ष पूर्व परिजनों से बिछड़ गये की श्रद्धा संस्था ने रमेश को बरेली मनोसमर्पण सेवा संस्थान में रमेश भटकते हुए पुलिस को मिले थे। वृद्ध रमेश को पुलिस से उसे श्रद्धा रिहैबिलिटेशन फाउंडेशन, कर्जत में पुनर्वास हेतु भेजा गया। लाला हुआ तो वृद्ध ने अपना नाम रमेश और स्वयं को बरेली भेजा पर भेजा गया लेकिन उनका कोई परिजन नहीं मिला तत्पश्चात् सेवा संस्थान में दाखिल कर दिया गया। मनोसमर्पण के मिलाने के लिए हर सम्भव पूरे प्रयास किया जा रहे थे। इसी लक्ष्मी निवासी हों और उनकी उनकी मानसिक स्थिति में सुधार भुगान रिवासी हासमपुर बताया था। हासमपुर में मनसमर्पण की ही रमेश ने हरिद्वार का रायसी गांव और बिजनौर का नहटौर गांव में बेचते हैं तो अपनी टीम को उन्होंने नहटौर भेजा और पूरा बताया कि वे रमेश के बहनों हैं। यहीं से रमेश के परिवार का पता पड़्यी क्योंकि उनका भाई रमेश पिछले 27 वर्षों से मिसिंग था। रमेश के भाई को जैसे ही यह खबर लगी कि उनका भाई पिछले पांच भाई बहनों में उनका बड़ा भाई रमेश करीब 27 वर्ष अपनी परिजनों ने रमेश को बहुत खोजा किंतु वह नहीं मिला फिर कुलेने आए मनोसमर्पण पहुंचे सुभाष बोले कि यकीन करना मुश्किल माला देवी इंतजार करती रही कि एक दिन उसका बेटा रमेश जमाने में खुश भी हैं और दुःखी भी कि काश मां आज जिंदा होती तब सुसुद कर दिया। मनोसमर्पण संस्था से जुड़े शहर के वरिष्ठ मनोसमर्पण की निशुल्क सेवा की जाती है। यदि किसी व्यक्ति को विश्वास



मिम ने जाकर रमेश के परिजनों को खोजा लेकिन कुलुमिलता बताया। रायसी में भी कोई परिजन नहीं मिला। शैलेश शैलेश या सुभाष की तलाश की। रमेश के परिजनों को खोजता चला। नहतौर में रहने वाली रमेश की बहन शीला रमेश की बहन ने शीला देवी ने मनोसमर्पण टीम को अाता है और मनोसमर्पण सेवा संस्थान में है तो वे तुरंत बहन के घर नहतौर जाने की बात कहकर बरेली से मिले। अरसे के बाद थक हारकर खोजना बंद कर दिया। अल है। की मेरा भाई मुझे मिल गया, क्योंकि सभी पावलापस आयेगा और इसी इंतजार में उनकी मां चलरमेश को देख पाती मनोसमर्पण के सोशल वर्कर मुचिकित्सक डॉ सर्वेश चंद्रा ने कहा कि मनोसमर्पण रवस्था या लावारिस हालत में दिखे तो मनोसमर्पण

मंती कराया था। मुंबई में 6 फरवरी 2025 को एकतानगर रेलवे कॉलोनी में वृद्ध थाना भायखला की पुलिस ने रेस्क्यू कर ग्रेस फाउंडेशन के शिफ्ट किया जहां से गया। श्रद्धा के मनोचिकित्सक डॉ भरत वाटवानी के देखरेख में उसका मानसिक का निवासी बताया। रमेश को उनके परिजनों से मिलाने हेतु बरेली में आंवला पते श्रद्धा रिहैबिलिटेशन फाउंडेशन कर्जत द्वारा रमेश को रजऊ परसपुर स्थित मनोसमर्पण फाउंडर और साइकोलॉजिस्ट शैलेश शर्मा ने कहा कि रमेश को उनके परिजनों से क्रम में रमेश की काउंसलिंग लगातार की की गई ताकि रमेश को पुरानी बातें हो। रमेश ने अपने पिता का नाम सुदामा, बहन का नाम कांता और बहनोई का नाम वता नहीं चला। साइकोलॉजिस्ट शैलेश शर्मा द्वारा की जा रही काउंसलिंग के दौरान ताते हैं कि रमेश ने बताया कि नहटौर में ही पूरन और सुभाष परमल भूनकर बाजार गई मुकुल कुमार की अगुवाई में टीम को नहटौर में ही सुभाष मिल गए जिन्होंने वी ने रमेश से वीडियो कॉल पर बात की तो तुरंत अपने भाई को देख कर बिलख प भाई सुभाष का पता बताया जो कि बरेली के हजियापुर मोहल्ले में रहते हैं। बरेली का भाई को लेने मनोसमर्पण सेवा संस्थान में पहुंच गए। भाई सुभाष ने बताया कि लाला था और वह न तो बहन के पर पहुंचा और न ही कभी वापस पर आया। उनके ज 27 साल बाद भाई से मिलकर बहुत पूरा परिवार, रिश्तेदार बहुत हैं। रमेश को नों और रिश्तेदारों ने मान लिया था कि अब रमेश इस दुनिया में नहीं। उनकी मा बावुक होते हुए सुभाष आगे बोलते हैं कि आज सभी लोग बहुत खुश हैं आज न कुमार और रंजीत मौर्य ने आवश्यक कार्यवाही कर रमेश को उनके परिजनों के था सड़कों पर भटक रहे लावारिस, बेसहारा, निराश्रित और मानसिक मंदित लोगों स्था रजऊ परसपुर स्थित मनोसमर्पण पुनर्वास केंद्र में ले भर्ती कराये।

जुर्म के रोकथाम के लिए रंग बदलता है शिवलिंग! मन्नत पूरी एक और अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच- भूपेन्द्र तिवारी

पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद बहराइच द्वारा रोकथाम जुर्म जरायम एवं क्षेत्र मे शान्ति व्यवस्था कायम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक महोदय ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी महोदय मिहोपुरवा के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक श्री रामनरेश के कुशल नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा दिनांक 13.07.2025 को मु0अ0सं0 122/2025 धारा 132, 121(1), 352, 351(3), 303(2) बी0एन0एस0 व 4/10 वन संरक्षण अधि0 व 3/25 आर्म्स एक्ट से संबंधित अधि0 सोबरन पुत्र शान्ति प्रसाद निवासी प्रतापपुर जंगल मटेरा थाना को0 मुर्तिहा जनपद बहराइच को मुखबिर खास की सूचना पर समय 6.20 बजे हिरासत पुलिस लिया गया गिरफ्तारी के दौरान मा0 सर्वोच्च न्यायालय एवं मा0 मानवाधिकार आयोग के आदेशो- निर्देशो का पूर्णतया पालन किया गया । अभियुक्त को मा0 न्यायालय बहराइच के समक्ष पेश करने हेतु रवाना किया गया। अभियुक्त का नाम व पता- 1. सोबरन पुत्र शान्ति प्रसाद निवासी प्रतापपुर जंगल मटेरा थाना को0 मुर्तिहा बहराइच अभियुक्त उपरोक्त थाना स्थानीय का हिस्ट्रीसीटर है जिसका ।।संख्या 5 है ।



62वीं वाहिनी एसएसबी मुख्यालय भिनगा में जवानों के मध्य फुटबाल मैच का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच-प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के छत्रपति शिवाजी मैदान में कमांडेंट अमरेंद्र कुमार वरुण के नेतृत्व एवं प्रेरणा से एक फुटबाल मैच का आयोजन किया गया। यह मैत्रीपूर्ण मैच %ए% टीम और %बी% टीम के मध्य खेला गया, जिसका उद्देश्य बल के भीतर खेल भावना, आपसी समन्वय एवं शारीरिक सुदृढ़ता को बढ़ावा देना था। मैच में दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। मुकाबला अत्यंत रोचक और संघर्षपूर्ण रहा, जिसमें %बी टीम ने %ए% टीम को 3-2 से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। कमांडेंट अमरेंद्र कुमार वरुण ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के आयोजन बल में अनुशासन, सहयोग एवं टीम भावना को मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी इसी उत्साह और जोश के साथ खेलों में भाग लेने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया। इस मौके पर सोनू कुमार उप कमाण्डेंट के साथ अन्य जवान उपस्थित रहे ।



विवाहिता की संदिग्ध हाईवे पर दौड़ती कर बनी आज का गोला परिस्थितियों में हुई मौत, अकाउंटेंट की सूझबूझ से बची जान पुलिस जांच में जुटी

क्यूँ न लिखूँ सच-अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती। जनपद के सिरसिया थाना क्षेत्र के भरथा कला गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान 23 वर्षीय रोशनी के रूप में हुई। उसका शव ससुराल मे मृत अवस्था मे मिला। मृतक महिला रोशनी की शादी करीब 3 साल पहले इसी गांव के जन्नत अली के साथ हुई थी। मृतका के पिता फिदा हुसैन ने दामाद पर बेटी को लाठी से मारने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि दामाद ने लाठी से गला दबाकर बेटी को मार डाला। पिता के अनुसार जन्नत अली पुणे में मजदूरी करता है। वह एक दिन पहले पुणे जाने वाला था, लेकिन वापस लौट आया। इसी दरमियान यह घटना हुई। आरोप है की मृतका की सास उसे संतान न होने के कारण बांझ कहकर प्रताड़ित करती थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची साथ ही फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं। वही पुलिस शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया तथा पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। मृतका के ससुराल और मायके के बीच की दूरी मात्र 50 मीटर बताई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच में मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

तालाब में नहाने गई 9 वर्षीय बालिका की डूब कर हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच-प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती के थाना इकौना क्षेत्र अंतर्गत मोहनी पुर जमुनहा गांव निवासी 9 वर्षीय बालिका लक्ष्मी पुत्री पुत्तन यादव जो अपने सहेलियों के साथ तालाब में नहाने गई हुई थी। बारिश के चलते लबालब पानी से भरे तालाब में पैर के फिसलने से लक्ष्मी डूब गई। सूचना पाते ही मौके पर पहुंचे ग्रामीण व परिजनों ने कड़ी मेहनत के बाद लक्ष्मी को पानी से बाहर निकाला और सीएससी इकौना ले गए जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद बालिका को मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची इकौना पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।



क्यूँ न लिखूँ सच- अरविंद कुमार

उत्तर प्रदेश का पीलीभीत जिला अपने धार्मिक और प्राकृतिक स्थलों के लिए पहचाना जाता है। यहां म ौ ज ू द इकहोत्तर नाथ शिव मंदिर न सिर्फ श्रद्धा का केंद्र है, बल्कि इसकी खास मान्यता और रहस्यमयी शिवलिंग इसे अन्य मंदिरों से बिल्कुल अलग बनाती है। सावन के पवित्र महीने में जब भक्तों की भीड़ भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए उमड़ती है, तब यह मंदिर भी विशेष आस्था का केंद्र बन जाता है। पीलीभीत के पूरनपुर तहसील के पास, पीलीभीत टाइगर रिजर्व के जंगलों के अंदर, गोमती नदी के तट पर यह इकहोत्तरनाथ शिव मंदिर स्थित है। कहा जाता है कि पौराणिक काल में यही वह स्थान था जहां ऋषि गौतम ने तपस्या की थी। एक कथा के अनुसार, इंद्र ने ऋषि गौतम की पत्नी सती अहिल्या का रूप बदलकर छल किया था। इस घटना से क्रोधित होकर ऋषि गौतम ने इंद्र को श्राप दिया। भगवान शिव द्वारा इंद्र को गोमती के तट पर 101 शिवलिंग स्थापित करने का आदेश दिया। उन्हीं में से 71वां शिवलिंग आज इकहोत्तरनाथ के रूप में प्रसिद्ध है। इकहोत्तरनाथ शिव मंदिर रहस्यों और मान्यताओं से भरा हुआ है। यहां सावन के महीने में लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। मान्यता है कि मंदिर का शिवलिंग दिन में कई बार रंग बदलता है और यहां मनोकामना पूरी होने पर नल चढ़ाया जाता है। यही नहीं, मान्यता है कि रोज सुबह सबसे पहले स्वयं देवराज इंद्र आकर इस शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं। मंदिर के कपाट बंद होने के बाद कोई भी परिसर में नहीं रुकता, लेकिन जब सुबह कपाट खुलते हैं, तो शिवलिंग पर फूल, जल और बिल्वपत्र पहले से चढ़े मिलते हैं। यह दृश्य भक्तों के लिए गहरी आस्था और चमत्कार का प्रमाण बन चुका है। देशभर के मंदिरों में आमतौर पर प्रसाद, फल या वस्त्र चढ़ाने की परंपरा होती है, लेकिन इकहोत्तरनाथ मंदिर में एक अनोखी परंपरा निभाई जाती है। यहां जब किसी भक्त की मनोकामना पूरी होती है, तो वह मंदिर परिसर में एक नल लगवाता है। यही वजह है कि मंदिर के आसपास सैकड़ों नल नजर आते हैं, जो श्रद्धा की अनूठी मिसाल पेश करते हैं। प्राकृतिक सुंदरता के बीच धार्मिक वातावरण का अनुभव श्रद्धालुओं को एक अलग ही ऊर्जा से भर देता है।



क्यूँ न लिखूँ सच- राकेश गुप्ता

शामली उत्तर प्रदेश के एक व्यस्त हाईवे पर उसे समय अपराध अपनी मच गई जब एक चलती कर अचानक आज का गोला बन गई कार में सवार निजी कंपनी के झुलसने आई लेकिन उसकी बचा दी इस भयानक हादसे के गाड़ी पहुंची और भीषण आग हादसा कहीं अहम सवाल भी रूप से सुरक्षित है क्या हम ऐसी और प्रशासनिक रूप से तैयार है दोपहर के समय हुई जब एक कार से ऑफिस कार्य वंश सफर दौड़ रही गाड़ी में अचानक से कार के बोनिट से आ रहा था भीषण आग लग गई यात्री ने तुरएंट स्थिति को भापते हु? चलती गाड़ी से कूद कर अपनी जान बचाई हालांकि इस दौरान वह हाथ और पीठ में ज्वेलर्स गया रहा किलो की मदद से उसे प्राथमिक उपचार के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम कुछ ही मिनट में मौके पर पहुंची पास से गुजर रहे अन्य वाहनों और स्थानीय जनो की जान को भी खतरा बन सकता था हालांकि जब तक आग बुझाई जाती तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी गाड़ी की हालत ऐसी थी कि उसकी पहचान करपाना भी मुश्किल हो गया था घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल की टीम में शॉट सर्किट को संभावित कारण बताया आल्हा की तकनीकी जांच के बाद ही स्पष्ट रूप से पता चलेगा कि यह आज बैटरी से निकली चिंगारी थी या किसी अन्य यांत्रिक गड़बड़ी के कारण गाड़ी में आग लगी गाड़ी गाड़ी में कथित रूप से एलपीजी सीएनजी किट नहीं लगी थी जिससे संभावना बढ़ जाती है कि यह दुर्घटना कार के इलेक्ट्रिकल सिस्टम से जुड़ी हो इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अहम बात यह रही की गाड़ी चला रहे एकाउंटेंट ने घबराने के बजाय भोजपुरी से काम लिया उसने तुरंत गाड़ी साइड में लगाकर दरवाजा खोला और कूद कर अपनी जान बचाई अगर वह कुछ पल और रुकता तो परिणाम और भी भयानक हो सकता था



थानाभवन कस्बे में युवा कांग्रेस की संगठन सृजन श्रृंखला के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच- राकेश गुप्ता

थानाभवन विधानसभा के थानाभवन कस्बे में युवा कांग्रेस की संगठन सृजन श्रृंखला के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया, कार्यक्रम का संचालन शमशेर महामंत्री कांग्रेस ने करते हुए आजादी के बाद से अब तक करते हुए वर्तमान सरकार के असफलताओं अतिथि प्रोफेसर निर्भय सिंह जी ने सभी मतभेद भूलकर कांग्रेस को मजबूत करके चुनाव में कांग्रेस के मजबूत करने का में उपस्थित जिला उपाध्यक्ष अरविन्द भारती करते हुए बताया कि कांग्रेस ऐसा वृक्ष है है, वो पार्टी है जिसने गुलामी से किले भारत को सड़क, बिजली पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा का प्रबंध किया, ओर आज समय है कि हम को एक जुट हो कर फिर से वही विकास और भारत को एक विकसित भारत बनाना है, कार्यक्रम के आयोजक और युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सलमान राणा ने सभी को एकजुट होकर साथ ही आपसी मतभेद भूलकर कांग्रेस को मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में चैन सिंह पुंडीर, सुमित शर्मा, लोकेश कुमार कोहली जिला महासचिव कांग्रेस सोशल मीडिया, संजीव कुमार जिला महासचिव कांग्रेस सोशल मीडिया मुख्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ लगभग सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव ओर प्रवेक्षक आकिब राणा ने कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठों को एक जुट होकर कांग्रेस को मजबूत करना ओर बृथ स्तर तक संगठन को मजबूत करें जिससे आने वाले समय में आदरणीय राहुल गांधी जी को प्रधानमंत्री बनाने का कार्य करना है।



संक्षिप्त समाचार बिहारी जी मंदिर पर भंडारे का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच- लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद = गांव कीरतपुर स्थित बिहारी जी मंदिर पर मंगलवार को श्री बांके बिहारी जी प्राकट्योत्सव पंचम भंडारे का आयोजन किया होगा। कार्यक्रम आयोजक संजय कुमार सिंह ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि समय से मंदिर पर पधार कर प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ उठाएं।

खेड़ा नरायन सिंह से बाइक चोरी

क्यूँ न लिखूँ सच- लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद = कोतवाली के गांव खेड़ानरायनसिंह निवासी चंद्रप्रकाश ने पुलिस को दी तहरीर में बता या है कि वह खेत पर गया था जहां से करीब 200 मीटर दूर चकरोड पर बाइक खड़ी कर गया था। वापस आया तो बाइक वहां नहीं थी। चंद्रप्रकाश ने अज्ञात चोर के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है।

लगातार वर्षा के दृष्टिगत कृषकों को आवश्यक सलाह जारी

क्यूँ न लिखूँ सच- राजकुमार शर्मा (कटोरे)

शिवपुरी, जिले में हो रही निरंतर वर्षा को देखते हुए कृषकों को फसलों की सुरक्षा हेतु आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, शिवपुरी ने किसानों से आग्रह किया है कि वे खेतों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था करें ताकि खड़ी फसलें अधिक पानी से प्रभावित न हों। उन्होंने बताया कि वर्तमान परिस्थिति में उड़द, मूंग, तिल एवं अजवाइन की बुवाई उपयुक्त रहेगी। साथ ही जिन क्षेत्रों में सोयाबीन की बुवाई की जानी है वहां कम अवधि की किस्में जैसे छुस्-9560 एवं छुस्-2034 का चयन किया जा सकता है। इसी प्रकार धान की रोपाई भी की जा सकती है। खड़ी फसलों को आपदा से आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने हेतु प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत बीमा अवश्य कराएं, जिससे प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाले नुकसान की भरपाई संभव हो सके।

मनुष्य को उसके कर्मों से ही स्वर्ग - नरक की प्राप्ति होती है -दिव्यानंद पांडेय

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा नगर के प्राचीन झलरापीपल मंदिर परिसर में चल रही सात साल श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस में कथावाचक दिव्यानंद पाण्डेय ने संगीतमयी कथा सुनाते हुए धुंधकारी के जीवन चरित्र को सुनाते हुए कहा मानव, दानव, देव, ऋषि कोई भी हो जो जैसा कर्म करता है, उसे वैसा ही फल प्राप्त होता है। जीवन में सत्कर्म सदैव करना चाहिए। ताकि आपका परलोक भी सुधर जाए। कर्मों से ही हमें स्वर्ग -नरक मिलता है। कथा में महेश सांवरिया, राजीव उर्फ लवकुश साहू, अंकित सक्सेना, शेर सिंह यादव, मेघनाथ साहू, सहित तमाम भक्तगण मौजूद रहे।

थाना सोरांव पुलिस टीम द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

पुलिस आयुक्त महोदय व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में श्रीमान् पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना सोरांव पर पंजीकृत मु0अ0सं0-206/25 धारा-137(2)/87/352/351(2) भा0न्या0सं0 से सम्बंधित वांछित अभियुक्त अरविन्द पाल पुत्र राम नरेश पाल निवासी मल्हपुर थाना देल्हुपुर जनपद प्रतापगढ़ को थाना सोरांव पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-13.07.2025 को थाना सोरांव क्षेत्रान्तर्गत ग्राम ददौली स्थित नहर के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

बाइक से गिरकर आंगनवाड़ी सहायिका की हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच-अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती के थाना इकौना क्षेत्र अंतर्गत भामा पारा पुल के पास बाइक पर बैठी 50 वर्षीय आंगनवाड़ी सहायिका शांति देवी पत्नी राम मनोरथ की बाइक से गिरकर मौत हो गई। मृतक आंगनवाड़ी सहायिका अपने बेटे सर्वेश कुमार के साथ क्षेत्र में निकली थीं तभी भामापारा पुल के पास बाइक अनियंत्रित हो गई जिससे गिरकर महिला की मौत हो गई। मौत की खबर पाते ही मौके पर पहुंची इकौना पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया। अचानक हुई महिला की मौत से परिवार में मातम पसर गया।



धर्म परिवर्तन करा कर दुराचार के आरोपी युवक और उसके पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच
मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के एक गांव की एक दलित युवती का कहना है कि उससे फोन पर एक युवक से बात चीत के दौरान दोस्ती हो गई। उक्त युवक मुस्लिम होने के बावजूद अपना अपना धर्म छिपाकर अपना नाम आजाद सिंह बताया।
दलित पीड़िता का आरोप है कि चार साल पूर्व कथित आजाद सिंह उसे लेकर चण्डीगढ़ गया और उसका धर्म परिवर्तन करा कर मुस्लिम नाम रख दिया ।मुस्लिम रीति रिवाज मानने का दबाव बनाकर उसके साथ जबरियन बलात्कार करता रहा।पीडिता का आरोप है कि

■ चार वर्षों तक दलित युवती को बंधक बनाकर दुराचार करता रहा युवक गर्भपात कराने का है आरोप

कथित आजाद सिंह उसे लेकर घर आया जहां कथित आजाद सिंह और उसके पिता ने फर्जी आधार कार्ड बना कर तमाम अभिलेख तैयार कर घर पर उसे बंधक बना कर मारते पीटते रहे। पीड़िता का आरोप है कि उसके साथ कथित आजाद हिन्द सिंह निरंतर दुराचार करने के कारण उसको गर्भ हो गया तो जबरिन गर्भपात करा दिए। पीड़िता किसी तरह 10 जुलाई को थाने आकर तहरीर दी। जिसपर

पुलिस ने जांच कर शनिवार को ग्राम किरांव निवासी एजाज और उसके पिता मुने उर्फ फुत्ते के खिलाफ दुराचार , गर्भपात कराने,मारने पीटने बंधक बनाने धर्म परिवर्तन कराने एससी एसटी एक्ट आदि गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।
इंस्पेक्टर मऊआइमा पंकज अवस्थी का कहना है कि मुकदमा दर्ज प्रकरण की गंभीरता से जांच की जा रही है।

टूटी सड़क हल्की बारिश से भी नाले में तब्दील राहगीरों का चलना मुश्किल ग्रामीणों में भारी रोश

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रयागराज द्य सोरांव विधानसभा क्षेत्र के मऊ आईमा ग्राम चकशायाम रोड किरांव एवं चकशायाम को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग पिछले लगभग 10 वर्ष से क्षतिग्रस्त पड़ी है जिससे ग्रामीणों व पास में चकशायाम इन्टर कालेज स्कूल के छात्रों का आने जाने मे भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है बता दे की हर साल बारिश के मौसम में यह सड़क नाले में तब्दील हो जाती है
जगह जगह जल भराव हो जाता है जिससे लोगों के आवाजाही में खासी दिक्कों का सामना करना पड़ता है जबकी यह रास्ता ग्राम किरांव व चकशायाम व कलन्दरपुर रोड पर स्थित स्नेही देवी इन्टर कालेज एवं राम सुख भोला नाथ इन्टर कालेज को जोड़ता है स्कूली बच्चे व ग्रामीण सड़क पर गुठनो तक पानी भरा होने से फिसल कर



गिरते हैं तथा चोटहिल भी हो जाते हैं कॉलेज के छात्र एवं छात्राओं व गांव वासियो को इस सड़क पर चलने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है ग्रामीणों की माने तो उन्होंने ग्राम प्रधान और क्षेत्र के विधायक को कई बार सड़क बनाने को लेकर के शिकायती

प्रार्थना पत्र दिया किंतु किसी ने आज तक यह सड़क बनाने की जिम्मेदारी नही उठाई जिससे आस पास के ग्रामीणों व छात्र छात्रों तथा अभिभावको में आक्रोश देखा जा रहा है ।

01 परिवार में सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच- शैलेन्द्र कुमार पांडेय
आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया था, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र के कुशल काउंसलर्स श्री फहीम किदवाई, श्री डी.पी. सिंह, श्री सरजीत सिंह, श्री धनन्जय सिंह तथा उ0नि0 रमाशंकर मिश्र, हे0का0 ओमप्रकाश यादव, म0आ0 गिरजावती यादव, म0आ0 निशी त्रिवेदी, म0आ0 छाया द्विवेदी, म0आ0 सविता मिश्रा, म0आ0 अनन्या सिंह द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस लाइन बहराइच प्रेक्षागृह बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दम्पति जोड़ों को एक-दूसरे के साथ आपस में सामन्जस्य स्थापित कर, पारिवारिक दायित्वों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।



नईम उद्दीन समाजवादी पार्टी शहर दक्षिणी के उपाध्यक्ष नियुक्त, व्यापारियों में हर्ष

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रयागराज- प्रयागराज के जाने-माने व्यापारी नेता नईम उद्दीन उर्फ मुन्ना जी को समाजवादी पार्टी के 263 शहर दक्षिणी विधानसभा का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी इस नई जिम्मेदारी पर स्थानीय व्यापारियों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने गहरा हर्ष व्यक्त किया है। इस अवसर पर नवनियुक्त उपाध्यक्ष नईम उद्दीन ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव 2027 में समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन को मजबूती प्रदान करने के लिए वे दिन-रात एक कर देंगे। उन्होंने व्यापारियों और जनता से पार्टी को समर्थन देने की अपील की।



इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद अजहर, प्रदेश सचिव मोहम्मद शरिक, देवी लाल यादव उर्फ बाबा, मोहम्मद रऊफ, रविंद्र गुप्ता, अध्यक्ष इस्तखार हुसैन, संदीप यादव सहित कई प्रमुख पार्टी नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सभी ने नईम उद्दीन को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। नईम उद्दीन की नियुक्ति से शहर दक्षिणी में समाजवादी पार्टी की गतिविधियों को और गति मिलने की उम्मीद है।

पुलिस व बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में लगी गोली

क्यूँ न लिखूँ सच
श्याम जी कश्यप
जनपद फर्रुखाबाद उत्तर प्रदेश- पुलिस व बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लग गयी। दूसरा बदमाश मौके का फायदा उठाकर भाग गया। गोली से घायल हुए बदमाश को पुलिस ने उपचार के अस्पताल में भर्ती कराया। दूसरे बदमाश की पुलिस ने तलाश शुरु कर दी है।अपर पुलिस अधीक्षक डा0 संजय कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक आरती सिंह के निर्देश पर थाना कम्पिल पुलिस व स्वाट टीम कम्पिल क्षेत्र बरखिरिया पुलिसा के पास बदमाशों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चला रही थी। शनिवार रात्रि के समय पुलिस व स्वाट टीम चेकिंग कर रही थी, तभी दो संदिग्ध युवक



बाइक से आते दिखायी दिये। जिन्हें रोकने का इशारा किया गया तो आरोपियों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरु कर दी। पुलिस ने जबाबी फायरिंग की तो एक बदमाश के पैर में गोली लग गयी और वहीं गिर गया। पुलिस ने तुरन्त बदमाश को अपनी हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम इब्राहिम बताया। पुलिस ने

बताया कि बदमाश गौकशी के आरोपी है और वह फरार चल रहा था। तलाशी में उसके पास से एक बाइक व एक अवैध तमंचा, कारतूस व खोखा बरामद हुआ है। वहीं एक अभियुक्त मौके पर फायदा उठाकर फरार हो गया। जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया।

रीव परशुराम आश्रम को गिरवाने वाले विधायक नागेंद्र सिंह का भी अतिक्रमण हटाया जाए- शिवानंद द्विवेदी

क्यूँ न लिखूँ सच- प्रदीप कुमार तिवारी डिटी मैनेजर संपादक
सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी ने आरोप लगाते हुए कहा कि रीवा जिले मे अराजकता हावी होती जा रही है आम नागरिकों के घर और प्रतिष्ठान में बुलडोजर चल रहे है और नेता विधायकों तथा रसूखदारों को अतिक्रमण की खुली छूट दी गई है, नियमों की अवहेलना कर नदी नालों के किनारे अतिक्रमण लगातार बढ़ रहे है जो बाढ़ की प्रमुख वजह माना जा रहा है, आखिर जिम्मेदार इस तरह का दोहरा चरित्र क्यों अख्तियार कर रहे है यह एक अहम सवाल है, जो पावर मे हैं वह कानून कायदों को ताक पर रखकर कुछ भी कर ले और आम गरीब व्यक्ति के साथ दमन किया जाय, ये कहाँ का नियम है और किस संविधान मे लिखा है, अगर यही हाल रहा तो वो दिन दूर नहीं जब जनता स्वयं कानून कायदों को दरकिनार करके अपने अधिकार और अस्तित्व के लिए सड़कों पर उतर आयेगी क्योंकि गुढ़ विधायक नागेंद्र सिंह का झिरिया में बना होटल और बीहर नदी के तट के किनारे बना आवास बाढ़ का मुख्य कारण है, लगातार नदी के तट को कम करके उसमे कब्जा किया जा रहा है, इस लिए इनके अवैध और प्रतिर्बाधित क्षेत्र मे किए गए निर्माण प्रशासन को तत्काल हटाना चाहिए, तथा इनके अवैध निर्माण में बुलडोजर चलना चाहिए, ये सच है कि बाढ़ के लिए जितना जिम्मेदार शासन प्रशासन को आम जनता नहीं मानती है उससे कही अधिक जिम्मेदार ये कुछ सत्ताधारी नेता विधायक हैं। एंक्टिविस्ट शिवानंद द्विवेदी ने बताया कि वर्तमान मे रीवा शहर में भीषण बाढ़ के चलते हालात खराब हो गए। बाढ़ की वजह से आम व्यक्तियों का जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया। इस समस्या का अंदाजा पिछले हफ्ते सोशल मीडिया मे एक पोस्ट करके मेरे द्वारा लगा लिया गया था और आगाह किया गया था कि शहर मुख्यालय जहां कमिश्नर एवं जिला अभियोजन कार्यालय रीवा है वहीं पास स्थित ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग रीवा में थोड़ी सी बारिश के चलते जल भराव की स्थिति निर्मित हो गई और इस जलभराव के वीडियो से सोशल मीडिया में पोस्ट कर प्रशासन को सचेत करने का प्रयास किया गया था परंतु किसी ने ध्यान नहीं दिया। रीवा में बाढ़ से निपटने के लिए पूर्व से कोई प्रयास नहीं किए गए जिसका नतीजा यह हुआ की पूरा शहर बीहर बिछिया नदी नालों के पानी में प्रभावित हुआ पिछले कुछ समय से अवैध अतिक्रमण को मुक्त किए जाने के नाम से बिल्डर माफिया और भूमाफिया मौज काट रहे है, एक्टिविस्ट शिवानंद द्विवेदी ने बड़ा सवाल उठाया है कि जब ऐसे अतिक्रमण वाले स्थलों का चयन किया जा रहा था तो इन नेताओं रसूखदारों और भूमाफियाओं के नाम को क्यों नहीं सम्मिलित किया गया..? विधायक नागेंद्र सिंह के समस्त अवैध निर्माणों की जांच, कराकर किए गए अतिक्रमण को इनसे मुक्त कराया जाय, एक्टिविस्ट द्विवेदी ने कहा कि विधायक नागेंद्र सिंह का बीहर नदी स्थित आवास स्वयं ही एनजीटी के नियमों का उल्लंघन है। यह आवास नदी साइड से मात्र 50 मीटर के दायरे में बनाया गया है। इसी प्रकार इनके अन्य निर्माण भी हैं जो एनजीटी और शासन के नियमों की घोर अवहेलना करते हैं। झिरिया स्थित महाराजा होटल और स्नेह होटल, भी झिरिया नाले पर अवैध अतिक्रमण करते हुए बनाया गया है जो एनजीटी और नदी नालों पर शासन के नियमों के विपरीत है। जब कार्यवाही का दौर आता है तो प्रशासन सत्ताधारी पार्टी के दबाव में कार्य करता है। ऐसे रसूखदार नेताओं के अवैध निर्माण को पूरी तरह नजर अंदाज कर दिया जाता है और उल्टा उन्हें संरक्षण प्रदान किया जाता है। बीहर बिछिया नदी और झिरिया नाले के आसपास के समस्त निर्माणों की होनी चाहिए जांच एक्टिविस्ट द्विवेदी ने कहा शासन प्रशासन मात्र गरीबों के लिए शेर है। चाहे वह रतहरा तालाब बस्ती से हटाए जाने की बात रही हो या फिर पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेज के पास स्थित बस्ती का, यहां मात्र गरीबों को डरा धमका कर भगा दिया जाता है,

संक्षिप्त समाचार

बाइक चोरी का दो महीने पर मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच
मऊआइमा । सोरांव थाना क्षेत्र के ग्राम सराय बाजू गिरधरपुर निवासी नन्हें लाल पुत्र राजा राम का कहना है कि उसका पुत्र धर्मेन्द्र कुमार बाइक लेकर 16 मई को शाहबाजपुर बारात में गया था जहां से बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने शनिवार को अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दो आलग अलग गांवों में मार पीट दस के खिलाफ मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच
मऊआइमा। थाना क्षेत्र के ग्राम करम्हा निवासी सतार अली पुत्र कमरुद्दीन का आरोप है कि विपक्षी उसके रास्ते को बंद कर दिए।मना करने पर गालियां देते हुए लाठी डंडा से मारे पीटे और जान से मारने की धमकी दिए। सतार अली ने मऊआइमा थाने में लाल मोहम्मद, रेहाना बानों, नसरीन बानों,परवीन बानों,मेराज के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। ग्राम छता रेवारी निवासी इन्द्र भानसिंह पुत्र स्वर्गाय जय करन सिंह का आरोप है कि मुकदमा में सुलह न होने पर विपक्षी लाठी डंडा लेकर घर में घुसकर मारे पीटे और जान से मारने की धमकी देते हुए। शोर मचाने पर गालियां देने हुए भाग गए। इन्द्र भान सिंह ने मऊआइमा थाने में उदयभान सिंह , रोहित सिंह, युवराज सिंह,तथा ग्राम तेजपुर निवासी मानसिंह, ग्राम गमरहा निवासी अंकित याव के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

पुलिस अधीक्षक आरती सिंह में बीती रात कादरी गेट थाना प्रभारी आमोद कुमार सिंह का तबादला

क्यूँ न लिखूँ सच -श्याम जी कश्यप
पुलिस अधीक्षक आरती सिंह में बीती रात कादरी गेट थाना प भारी आ।मोद कु.मार सिंह का तबादला कर दिया। तकरीबन 10 माह पू व ' कोतवाल फतेहगढ़ से तबादला करके निरीक्षक आमोद कुमार सिंह को थानाध्यक्ष कादरी गेट का चार्ज दिया गया था। आमोद सिंह ने माफिया अनुपम दुबे के खिलाफ अभियान चलाकर कार्यवाही को अंजाम दिया। उनका तबादला कादरी गेट से जन शिकायत प्रकोष्ठ के लिए किया गया है।

अधौन के निकट आग लगने से कार जलकर राख

क्यूँ न लिखूँ सच- लवकुश ठाकुर
अलीगढ़ अकराबाद - कोतवाली के पनेठी अधौन रोड पर



शनिवार की रात एक कार मैं अचानक आग लग गई। हादसे में कार जलकर राख हो गई। जनपद के बदायूं के थाना उझानी के गांव नगौरा निवासी परवेज पुत्र बाबू खां ने पुलिस में दी तहरीर मे कहा है कि वह अपनी बहन के घर अधौन में आया हुआ था। उसकी गाड़ी में सीएनजी कम थी जिसको डलवाने पेट्रोल पंप जा रहा था। शनिवार की रात समय करीब 9*15 बजे घर से निकला गाड़ी करीब दो किलोमीटर पनेठी की तरफ चली तभी किसी तकनीकी कमी के चलते गाड़ी में अचानक आग लग गई। उसने किसी तरह अपने आप को गाड़ी से बाहर निकाला।इसी बीच गाड़ी से तेज लपटें बढ़ने लगीं उसने आग बुझाने की कोशिश की पर गाड़ी पूरी तरह से जलकर राख हो गई।

Attention Foodies! Mumbai has become the most expensive city in the country in terms of eating in a restaurant, see the full list

According to a recent international report, Mumbai has emerged as the most expensive city in India in terms of eating in a restaurant. Not only this, Delhi and Bangalore have also been included in the list of 100 most expensive. Many people are fond of eating outside. This comes to light in a global report related to you also feel as if there is a hole in your pocket that eating outside in India is now becoming Yes, according to a recent global report, of eating out. Let's know the complete details This report shows that if you eat a three-course meal it can cost you a lot. Mumbai is not only one of the most expensive cities in India, but also around the world. It comes at number 65 globally. The average cost of such a meal for two people in Mumbai is around Rs 1,800 (or \$21). Right behind Mumbai, Delhi and Bengaluru are also included in this list. Delhi is one of the 67th most expensive cities in the world, where a three-course meal for two people comes for around Rs 1,700 (or \$20). At the same time, Bengaluru is at the 69th position, and here the same meal costs around Rs 1,540 (or \$18). Most expensive cities globally But if we talk about the most expensive cities in the world, then Zurich and Geneva of Switzerland are on top. A three-course meal for two people at a mid-range restaurant in these cities reaches around Rs 12,600 (or \$147). Cities like New York, Copenhagen and Boston are also included in the top 10, where the cost of food is more than \$110. Israel's Tel Aviv is also at the 8th place in this list, where the cost of food comes to around Rs 9,500 (about \$112). Top 10 most expensive cities for food - Zurich, Switzerland: (about Rs 12,200). Geneva, Switzerland: Like Zurich, here too the cost of food is around \$147 (about Rs 12,000). New York, United States: This US city is at the third place with \$145 (about Rs 10,800). Stavanger, United States: This city is also one of the expensive cities with \$128 (about Rs 10,600). Penhagen, Denmark: A meal here costs around \$124 (about Rs 10,300). Oslo, Norway: The food bill in the capital of Norway can go up to \$120 (about Rs 9,900). Tel Aviv, Israel: This city is included in this list with \$112 (about Rs 9,300). Stockholm, Sweden: Here too you may have to spend \$110 (about Rs 9,100). Amsterdam, Netherlands: Like Stockholm, a meal in Amsterdam also costs around \$110 (about Rs 9,100). Switzerland becomes the most expensive country to eat out From these figures, it is clear that Switzerland remains the most expensive country in the world to eat out. An average meal here costs \$138 (approximately Rs 11,800). Where does India stand? The good news is that when it comes to eating out, India is one of the most affordable countries in the world. The average cost of a three-course meal for two people is around \$14 (approximately Rs 1,200) in India, which puts it at 124th place globally. India is followed by countries like Pakistan and Bangladesh, where a similar meal costs around \$12.3 (approximately Rs 1,050).



Mumbai has emerged as the most expensive city in India in terms of eating in a restaurant. Not only this, Delhi and Bangalore have also been included in the list of 100 most expensive. Many people are fond of eating outside. This comes to light in a global report related to you also feel as if there is a hole in your pocket that eating outside in India is now becoming Yes, according to a recent global report, of eating out. Let's know the complete details This report shows that if you eat a three-course meal it can cost you a lot. Mumbai is not only one of the most expensive cities in India, but also around the world. It comes at number 65 globally. The average cost of such a meal for two people in Mumbai is around Rs 1,800 (or \$21). Right behind Mumbai, Delhi and Bengaluru are also included in this list. Delhi is one of the 67th most expensive cities in the world, where a three-course meal for two people comes for around Rs 1,700 (or \$20). At the same time, Bengaluru is at the 69th position, and here the same meal costs around Rs 1,540 (or \$18). Most expensive cities globally But if we talk about the most expensive cities in the world, then Zurich and Geneva of Switzerland are on top. A three-course meal for two people at a mid-range restaurant in these cities reaches around Rs 12,600 (or \$147). Cities like New York, Copenhagen and Boston are also included in the top 10, where the cost of food is more than \$110. Israel's Tel Aviv is also at the 8th place in this list, where the cost of food comes to around Rs 9,500 (about \$112). Top 10 most expensive cities for food - Zurich, Switzerland: (about Rs 12,200). Geneva, Switzerland: Like Zurich, here too the cost of food is around \$147 (about Rs 12,000). New York, United States: This US city is at the third place with \$145 (about Rs 10,800). Stavanger, United States: This city is also one of the expensive cities with \$128 (about Rs 10,600). Penhagen, Denmark: A meal here costs around \$124 (about Rs 10,300). Oslo, Norway: The food bill in the capital of Norway can go up to \$120 (about Rs 9,900). Tel Aviv, Israel: This city is included in this list with \$112 (about Rs 9,300). Stockholm, Sweden: Here too you may have to spend \$110 (about Rs 9,100). Amsterdam, Netherlands: Like Stockholm, a meal in Amsterdam also costs around \$110 (about Rs 9,100). Switzerland becomes the most expensive country to eat out From these figures, it is clear that Switzerland remains the most expensive country in the world to eat out. An average meal here costs \$138 (approximately Rs 11,800). Where does India stand? The good news is that when it comes to eating out, India is one of the most affordable countries in the world. The average cost of a three-course meal for two people is around \$14 (approximately Rs 1,200) in India, which puts it at 124th place globally. India is followed by countries like Pakistan and Bangladesh, where a similar meal costs around \$12.3 (approximately Rs 1,050).

Do you know what will happen if you eat ginger every day for 2 weeks? Harvard doctor has given the answer

There are many things found in our Indian kitchen which are no less than a boon for health. Yes, ginger is also one of these which we often use to enhance the taste of tea or vegetables. In such a situation, have you ever wondered what can happen by eating it regularly? If not, then let's know the doctor's opinion. Eating ginger for two weeks can bring many changes in the body. It is very helpful in making your digestion super strong. You can get many benefits by including ginger in the diet. Do you know that ginger is not only the uncrowned king of taste but also of health? Recently, Harvard gastroenterologist Dr. Saurabh Sethi has made some shocking revelations on eating ginger daily for 2 weeks. Yes, if you make ginger a part of your diet in some form every day for just 14 days, then such amazing changes (Benefits) can come in your body that you would not have even imagined. Let's know. Helpful in reducing inflammation - Inflammation is a common problem in today's lifestyle, which is the root of many diseases. Ginger contains a powerful enzyme called gingerol, which is known for its anti-inflammatory properties. Regular consumption of ginger for two weeks can help reduce joint pain, muscle strain and other inflammation related problems. Improves digestion - Many people are troubled by stomach problems like gas, indigestion and constipation. Ginger promotes gastric motility, that is, it helps in moving food faster in the digestive system. Consuming ginger daily can improve your digestion, which can help you get rid of bloating and heaviness. Powerful Antioxidant Our body is damaged daily by free radicals, which cause aging and many diseases. Ginger is a powerful antioxidant. It helps fight free radicals and protects cells from damage. Eating ginger for two weeks can strengthen your cells from within. Reduces bad cholesterol - High cholesterol is a major cause of heart disease. Studies have shown that ginger can help reduce LDL i.e. 'bad' cholesterol levels. If you want to improve your heart health, making ginger a part of your diet can be a good step.



These 3 habits of parents play a big role in making children's brain sharp! Are you also included in them?



The secret of a sharp brain is not hidden in your child's expensive toys or coaching classes but in your own habits. Yes, some small habits of parents can supercharge children's brain. Don't believe it? Let's know which are those 3 habits that can bring a big change in your children's life. Parents play a big role in increasing the brain power of children. Through some habits, you can make them smart. Due to these habits, confidence also increases in them. Do you also want your child to be at the top not only in studies but in every field? His brain should work fast, his interest in learning new things should increase and he should be able to solve problems easily? If yes, then you will be happy to know that some of your habits can play a big role in this. Yes, some special habits of parents give a tremendous boost to the mental development of children. Let's know what are those 3 habits and see, are you also included in them? Taking their questions seriously - Children are curious. They want to know about everything and keep asking questions continuously - "What is this?", "Why does this happen?", "Why are you doing this?". Many times, due to busyness or fatigue, we postpone their questions or give incomplete answers. But, this is where we make a mistake! Whenever a child asks a question, take it seriously. No matter how small the question is, explain it to him in simple language. If you do not know the answer, say honestly, "I don't know the answer right now, let's find it together!". Finding the answer together will not only give them information, but will also make the learning process fun. This habit increases curiosity and logical thinking in children. Talking to them daily Nowadays, in the era of gadgets, conversations in families are decreasing, but it is very important to talk to them openly every day for the mental development of children. This should not only include studies, but also their day-long activities, their feelings and their friends. Take out some time of the day only for children. Ask them at dinner time or before sleeping, "How was your day today?", "What new thing did you learn in school?", "What did you like the most today?". Don't just ask, listen to them carefully. Give them a chance to say their whole thing, no matter how small it may seem to you. This habit strengthens language skills, communication ability and emotional intelligence in children. When children are able to express themselves openly, their confidence also increases. Promote sports- Nowadays parents want to limit their children only to books. They feel that the more they read, the sharper their brain will become. Whereas, physical activities and creative games are equally important for the development of the brain. Don't let children stick to TV or mobile only. Motivate them to play outside. Activities like running, jumping, cycling, etc., not only improve their physical development, but also increase their mental agility. Apart from this, you can also involve them in creative things like painting, clay modelling, building blocks or solving puzzles.

The secret of a sharp brain is not hidden in your child's expensive toys or coaching classes but in your own habits. Yes, some small habits of parents can supercharge children's brain. Don't believe it? Let's know which are those 3 habits that can bring a big change in your children's life. Parents play a big role in increasing the brain power of children. Through some habits, you can make them smart. Due to these habits, confidence also increases in them. Do you also want your child to be at the top not only in studies but in every field? His brain should work fast, his interest in learning new things should increase and he should be able to solve problems easily? If yes, then you will be happy to know that some of your habits can play a big role in this. Yes, some special habits of parents give a tremendous boost to the mental development of children. Let's know what are those 3 habits and see, are you also included in them? Taking their questions seriously - Children are curious. They want to know about everything and keep asking questions continuously - "What is this?", "Why does this happen?", "Why are you doing this?". Many times, due to busyness or fatigue, we postpone their questions or give incomplete answers. But, this is where we make a mistake! Whenever a child asks a question, take it seriously. No matter how small the question is, explain it to him in simple language. If you do not know the answer, say honestly, "I don't know the answer right now, let's find it together!". Finding the answer together will not only give them information, but will also make the learning process fun. This habit increases curiosity and logical thinking in children. Talking to them daily Nowadays, in the era of gadgets, conversations in families are decreasing, but it is very important to talk to them openly every day for the mental development of children. This should not only include studies, but also their day-long activities, their feelings and their friends. Take out some time of the day only for children. Ask them at dinner time or before sleeping, "How was your day today?", "What new thing did you learn in school?", "What did you like the most today?". Don't just ask, listen to them carefully. Give them a chance to say their whole thing, no matter how small it may seem to you. This habit strengthens language skills, communication ability and emotional intelligence in children. When children are able to express themselves openly, their confidence also increases. Promote sports- Nowadays parents want to limit their children only to books. They feel that the more they read, the sharper their brain will become. Whereas, physical activities and creative games are equally important for the development of the brain. Don't let children stick to TV or mobile only. Motivate them to play outside. Activities like running, jumping, cycling, etc., not only improve their physical development, but also increase their mental agility. Apart from this, you can also involve them in creative things like painting, clay modelling, building blocks or solving puzzles.



Ayesha Raza used to travel in Delhi buses with a safety pin, said- 'Mostly old uncles...'

R MadhavanFatima Sana Shaikh and Ayesha Raza starrer Aap Jaisa Koi has been released on Netflix. It is a multi-cultural film. Actress Ayesha Raza, who is seen in the movie, has recently revealed many secrets in an interview. Ayesha is also called Bollywood's mummy. She has played the role of a mother in many films. Ayesha Raza, who has worked in films like Dil Dhadakne Do and Veere Di Wedding, is going to make a comeback very soon. Soon she will be seen in the film 'Aap Jaisa Koi'. In a recent interview, the actress recalled the time when she lived in Delhi. The actress told that she used to keep a safety pin with her while traveling. She said, "In Delhi buses, you have to travel wearing a safety pin. We always used to do that. I always used to take a bus from Mehrauli to Okhla, and it was one of those routes where the buses were so packed that you had to struggle to even get inside. I used to go that way for many years. And it was always the old men who used to misbehave." Online trolling has increased- She further said, "I always kept a safety pin with me. Sometimes I used to hang it on a chain around my neck and as soon as someone came near me or tried to misbehave, I used to prick them." The Dil Dhadakne Do actress also said that public harassment has now turned into online trolling due to increased scrutiny. Many people have created fake accounts- Now incidents of harassment in public places have reduced in general, because there are so many cameras around, anyone can record your video and it will go viral, so people do not take this risk. Now it has turned into trolling. You do the same thing but online. People now create fake accounts and comment on women. Has worked in these films- Ayesha has played the role of a mother in some very popular films including Madaari, Toilet: Ek Prem Katha, Sonu Ke Titu Ki Sweety, Veere Di Wedding, Gunjan Saxena: The Kargil Girl, Befikre, etc. Her latest film is 'Aap Jaisa Koi', in which she will be seen alongside R Madhavan and Fatima Sana Shaikh. It released on Netflix on Friday, July 11. Ayesha is married to actor Kumud Mishra and the couple has a son named Kabir.

'His problem...', Ajay Devgn reacts to Diljit Dosanjh's controversy, what did the actor say on Hania's casting?

Ajay Devgan is in the news for his upcoming film Son of Sardar 2. Meanwhile, the actor has given his reaction on Diljit Dosanjh's controversy. Diljit was being trolled a lot for casting Hania Aamir in the film Sardar Ji 3. Know what Ajay said about this. Ajay Devgan spoke on Diljit Dosanjh's controversy Hania's casting in Sardar Ji 3 caused a ruckus - Ajay Devgan will be seen in Son of Sardar 2 Diljit Dosanjh was in the limelight for some time. The actor had to face severe criticism amid the controversies of his film Sardar Ji 3. Now Ajay Devgan has reacted to Diljit's controversy. Actually, there was a ruckus over the casting of Pakistani actress Hania Aamir in Diljit Dosanjh starrer film Sardar Ji 3. Earlier it was thought that Hania was fired after the Pahalgam terror attack but it did not happen. Due to this, Diljit also came under the target of trolls. Many people criticized him while some supported him. Meanwhile, know what Ajay Devgan has said about this. Ajay Devgan spoke on Diljit's controversy Ajay Devgan attended the trailer launch event of his upcoming film Son of Sardar 2. When the actor was asked about Diljit's trolling, he said, "Look, I don't know where trolling comes from. What is right, what is wrong. I am not sitting in his place to comment on this thing. He must have his own problem and the rest of the people who are saying this are thinking from their own point of view." Whom did Ajay Devgan blame? Ajay Devgan further said, "When there are two different points of view, I think they can be solved by sitting together. You are thinking according to your own, he is thinking according to his own. This does not happen. That's why I will not blame anyone and I will not say that someone is right or wrong in this. I think they need to talk." Ajay Devgan and Diljit Dosanjh After Sardar Ji 3, Diljit Dosanjh will be seen with Varun Dhawan and Ahan Shetty in Sunny Deol starrer movie Border 2. This film will be released on January 23 next year. Ajay Devgan's upcoming movie Son of Sardar 2 is coming to theatres on 25th July this year.



This top actress will play the villain in Allu Arjun's film A6, has given 2 blockbusters in two months



A big actress has entered South actor Allu Arjun's upcoming film A6, who is going to play the villain in the movie. There has been a buzz for a long time about the Atlee directed film. Now the news of the actress playing the villain has made the fans more excited. Know about this. Allu Arjun will be seen in the film A6 with Atlee A big actress enters Allu Arjun's film The heroine will play the villain in Allu Arjun's movie After Pushpa and Pushpa 2, Allu Arjun has become a big star of Indian cinema today. After the great success of Pushpa 2, the actor has started working on his next films. These days he is working on Atlee's most awaited movie A6. Atlee announced his upcoming film this year, the title of which has not been revealed yet. Since this is Atlee's 22nd and Allu's sixth film, it is called AA22*A6. Allu Arjun has also started shooting for this film. Recently a big update came regarding the casting of the film. Now the news is that a heroine is going to become a villain. Rashmika Mandanna will become the villain. This heroine is none other than Rashmika Mandanna who has become Allu Arjun's Srivalli in Pushpa and Pushpa 2. After romancing Allu in the film, now she is going to make a splash as a villain in the upcoming project. According to a Bollywood Hungama report, Rashmika had two options. Either she becomes a villain in A6 or does the same role in another pan India film. Rashmika Mandanna decided to become a villain in A6. According to reports, she found her role in A6 more challenging which will give her a chance to explore as an actress. Rashmika has also completed her look test and she will also start shooting from October. Recently she also went to Los Angeles with Atlee and Allu. These 3 actresses will also play the lead role - Apart from Allu Arjun and Rashmika Mandana, three big Bollywood actresses will also be seen in Atlee's upcoming film. It is being said that Deepika Padukone, Mrinal Thakur and Janhvi Kapoor will be seen in important roles in the film. The shooting of the film is expected to be completed by mid-2026. The release date of the film has not been announced yet. In such a situation, it is expected that it may be released in late 2026 or early 2027.